डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-107 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 13 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मंडी में जलभराव, फाइलों में तैरती रही विकास योजना

मंडी परिसर में भरा बारिश का पानी।

अनाज मंडी में फिर भरा नाले का पानी

चार माह पहले शासन ने मंजूर किए 4.62 करोड़ अभी तक शुरू नहीं हो सका कार्य

किसानों की फसल नीलामी वाले स्थलों पर भरा गंदा पानी, तमाशबीन बने अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। चार माह पहले स्वीकृत धनराशि से अधिकारियों ने काम कराया होता तो अनाज मंडी में बीती रात बारिश का पानी नहीं भरता और न जलभराव होता। शुक्रवार रात हुई हुई बारिश की वजह से हाइवे का नाला उफनाया तो फसल नीलामी वाले स्थल गंदे पानी से डूब गए। मंडी की ऐसी बदतर स्थिति को देखकर अधिकारी केवल तमाशबीन बनकर रह गए।

राजस्व जुटाने में प्रदेश में बेहतर स्थान रखने वाली मथुरा अनाज मंडी में बीती रात हाइवे नाले का पानी घुस गया।

ऐसे में मंडी परिसर में जहां किसानों की फसलों की नीलामी होती थी, वहां जलभराव हो गया। इस समस्या से व्यापारी, किसान और मंडी परिसर में आने वाले लोग बीते एक साल से जूझ रहे है। शासन ने धनराशि मंजूर कर दी, लेकिन अब भी लोगों को राहत नहीं मिल सकी है।

मथुरा अनाज मंडी का लेबल हाइवे के नाले से नीचा है। ऐसे में बीती रात बरसात के चलते नाला ओवर फ्लो हुआ तो पानी मंडी परिसर में घुस गया। इसके चलते व्यापारियों की दुकानों के आगे पानी भर गया। दिन भर किसान, व्यापारी, मजदूर और मंडी आने वाले उपभोक्ता इसी गंदे पानी से गुजरते रहे।

इस समस्या को लेकर चार फरवरी 2026 को मंडी निदेशालय 4.62 करोड़ के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें मंडी के निचले इलाकों के उठान, बरसात के पानी संग्रहण को टैंक का निर्माण और संपबैल से पानी को निकालने का कार्य होना है। लेकिन चार माह पहले धनराशि मंजूर होने के बाद भी आज तक कार्य नहीं हो सका है। ऐसे में प्री मानसून बरसात से ही व्यापारी दहशत में है।

मंडी के उप सभापति– नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा का कहना है कि स्वीकृत धनराशि से उप निदेशक कार्यालय को काम कराने थे, हम तो चार माह से उनको कह रहे हैं। कई पत्र भी लिखे गए हैं, आज फिर बात करते हैं, पत्र भी लिखेंगे। उप निदेशक से भी बात की जाएगी।

बीएससी कृषि के छात्र ने गेस्ट हाउस में फांसी लगाई

परीक्षा देने के लिए आया था मथुरा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के मालगोदाम रोड पर एक गैस्टहाउस में बीएससी कृषि का पेपर देने के लिए आए भरतपुर के एक छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की मौत की सूचना पर परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है।

भरतपुर, राजस्थान निवासी युवक मोनू अपने कुछ साथियों के साथ बीएससी कृषि की परीक्षा देने के लिए मथुरा आया था। इन्होंने मालगोदाम रोड स्थित देवनगर में चौरसिया भवन गेस्टहाउस में किराए पर कमरा ले रखा था। बताया गया कि शुक्रवार को मोनू के साथी जब पेपर देने के लिए जाने लगे तो उन्होंने उससे भी परीक्षा देने के लिए चलने को कहा। इस पर उसने थोड़ी देर बाद आने को कहा। उसके साथी परीक्षा देने के लिए चले गए। काफी देर बाद भी जब मौनू परीक्षा देने के लिए नहीं पहुंचा, तो बाद में जब साथियों ने आकर देखा तो मोनू कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे में लटके शव को उतरवाया और पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोनू के परिवारीजनों को जब इस बारे में सूचना दी। परिवार में मोनू की मौत की खबर लगने पर मातम फैल गया। युवक ने आत्महत्या किस कारण की, इसके बारे में पता नहीं लग सका। गैस्ट हाउस के जिस कमरे में मोनू ने आत्महत्या की, वहां फॉरेंसिक टीम ने निरीक्षण किया और कुछ नमूने भी लिए।

यूरिया युक्त पशु आहार बना पशुपालकों की चिंता

पशु आहार में तय सीमा से ज्यादा यूरिया बना खतरा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र में खेती के साथ पशुपालन का काम हजारों परिवारों को आजीविका देता है, लेकिन पशुआहार की गुणवत्ता को लेकर बढ़ती चिंता पशुपालकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए चिंता बन गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पशुआहार में निर्धारित सीमा से अधिक यूरिया मिलाए जाने से पशुओं की सेहत और दूध की गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही हैं।

जानकारों के अनुसार, पशुआहार में अधिकतम एक प्रतिशत तक फीड ग्रेड यूरिया मिलाने की अनुमति होती है। इसका उपयोग नॉन–प्रोटीन नाइट्रोजन स्रोत के रूप में किया जाता है, जिसे गाय और भैंस जैसे जुगाली करने वाले पशु अपने पेट में मौजूद सूक्ष्मजीवों की मदद से प्रोटीन में बदल लेते हैं। इससे चारे की पोषण क्षमता बढ़ती है और लागत कम होती है। समस्या तब पैदा होती है, जब तय मात्रा से अधिक या इंडस्ट्रियल ग्रेड यूरिया मिलाया जाता है। पशु विशेषज्ञ बताते हैं कि फीड ग्रेड यूरिया पशुओं के लिए सुरक्षित मानकों के अनुरूप तैयार किया जाता है, जबकि इंडस्ट्रियल यूरिया का उपयोग रासायनिक उद्योग, प्लास्टिक, खाद और अन्य औद्योगिक कार्यों में होता है। इसमें ऐसे तत्व हो सकते हैं जो पशुओं के लिए हानिकारक साबित हों।

मानव स्वास्थ्य पर असर, गुणवत्ता भी प्रभावित

ऐसे आहार को खाने वाले पशुओं के दूध के लगातार सेवन से मनुष्यों में किडनी और लिवर संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है, जबकि बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर इसका असर अधिक पड़ सकता है। विशेषज्ञों का दावा है कि दूध देखकर उसमें यूरिया की मात्रा का पता नहीं लगाया जा सकता। इसकी पुष्टि केवल लैब जांच या विशेष टेस्ट किट से ही संभव है। दूध उबालने से बैक्टीरिया तो नष्ट हो जाते हैं, लेकिन यूरिया खत्म नहीं होता। पशु विशेषज्ञों ने पालकों को केवल प्रमाणित कंपनियों का पशु आहार खरीदने, पैकेट पर गुणवत्ता मानक जांचने और बिना लेबल वाले उत्पादों से बचने की सलाह दी गई है, जबकि उपभोक्ताओं को विश्वसनीय डेयरियों से ही दूध खरीदना चाहिए। मुख्य पशु अधिकारी डा. एनएन शुक्ला का कहना है कि दूध की गुणवत्ता पर संदेह होने पर लोग खाद्य सुरक्षा विभाग या संबंधित अधिकारियों से शिकायत भी कर सकते हैं।

यह हो रही समस्या

यूनिक समय, मथुरा। अधिक यूरिया युक्त आहार खाने से पशुओं में समस्या हो रही है। ऐसे आहार से पशुओं को भूख कम लगना, अपच, पेट फूलना, कमजोरी, दूध उत्पादन में कमी, लिवर और किडनी पर दबाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गंभीर मामलों में यूरिया टॉक्सिसिटी जानलेवा भी बन सकती है। पशु चिकित्सकों के अनुसार, लंबे समय तक ऐसा चारा खाने से पशुओं के शरीर में यूरिया और नाइट्रोजन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे दूध की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

मथुरा में फिर 12 दिन गूंजेंगी शहनाइयां

अधिकमास खत्म होते ही विवाह सीजन शुरू चातुर्मास से फिर लगेगी रोक, थमेगा बैंड का शोर

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को अधिकमास समाप्त होने के साथ ही मथुरा समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में एक बार फिर शादी- विवाह की रौनक लौटेगी। चातुर्मास से पहले शादी- विवाह के लिए 12 मुहूर्त मिलेंगे, इस अवधि के दौरान बैंड- बाजा और बरात का खब शोर सुनाई देगा।

पिछले एक महीने से शुभ मांगलिक कार्यों पर लगी रोक अब खत्म होने वाली है। 15 जून को अधिकमास के समापन के बाद विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होंगे, लेकिन इस बार शादी–ब्याह के लिए समय बेहद सीमित है। जून और जुलाई में कुल 12 शुभ मुहूर्त ही उपलब्ध हैं। इन तिथियों में होने वाली शादियों के लिए मैरिज होम, होटल, हॉल, धर्मशालाओं, कैटरिंग और बैंड–बाजे वालों के यहां बुकिंग का काम पहले ही होचुका है। ज्योतिषाचार्य अशोक शर्मा के अनुसार, अधिकमास का समापन 15 जून को अमावस्या के साथ होगा।

इसके बाद 16 जून से शुभ कार्यों की शुरुआत मानी जाएगी। विवाह का पहला शुभ मुहूर्त 21 जून को है। जून महीने में कुल आठ और जुलाई में चार शुभ मुहूर्त हैं।

मैरिज संचालक दिनेश कुमार ने बताया कि सीमित मुहूर्त होने के कारण अधिकांश तारीखें पहले से ही बुक हो चुकी हैं। विशेष रूप से 21, 22, 23, 24 और 27 जून की तारीखों को लेकर सबसे अधिक मांग देखी जा रही है।

वहीं,ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक विवाह की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। जून में 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27 और 29 जून को विवाह के शुभ मुहूर्त रहेंगे। वहीं जुलाई में 1, 6, 7 और 11 जुलाई को ही शादी–विवाह के लिए शुभ संयोग बन रहे हैं। इसके बाद 25 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। यही कारण है कि 25 जुलाई से अगले चार माह तक शहनाइयों की आवाज थम जाएगी।

संस्कृत भारती के प्रबोधन वर्ग में संस्कृत प्रदर्शनी का उद्घाटन

यूनिक समय, मथुरा। संस्कृत भारती द्वारा कृष्णचंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित 12 दिवसीय आवासीय प्रबोधन वर्ग के अंतर्गत शनिवार को संस्कृत प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शुभारंभ प्रमुख उद्योगपति और समाजसेवी पवन चतुर्वेदी ने वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ किया।

इस अवसर पर पवन चतुर्वेदी ने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन, वैज्ञानिक और समृद्ध भाषा है, जिसमें सभी भाषाओं का समावेश देखने को मिलता है। चित्रों और आकर्षक प्रदर्शनों के जरिए संस्कृत को ज्ञान, विज्ञान और तकनीक की भाषा के रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में ऋषि–मुनियों, महान विद्वानों और प्राचीन भारतीय ग्रंथों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदर्शित की गईं। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. देवेंद्र पंड्या , ब्रजेश शर्मा, ब्रजेंद्र नागर,रामदास चतुर्वेदी शास्त्री, हरस्वरूप यादव, संजय शर्मा, गौरव शास्त्री, योगेश विद्यार्थी, नागेंद्र व्यास, भाग्यवती, दीपिका मिश्रा और कोमल वर्मा सहित आदि मौजूद रहे। संचालन श्यामसुंदर शर्मा ने किया।

बांकेबिहारी भक्तों को मिलेगी राहत

वृंदावन में विकसित होंगे आधुनिक जनसुविधा केंद्र

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में प्रतिदिन उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अब भक्तों को जल्द ही बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद जगी है। दर्शन के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने वाले श्रद्धालुओं को गर्मी, पेयजल की कमी और अन्य अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने मंदिर क्षेत्र में

जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं।

समिति द्वारा मंदिर के आसपास उपलब्ध कराई गई भूमि पर श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है। प्रस्तावित योजना के तहत पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जिससे विभिन्न स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही शौचालय, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षा स्थल भी बनाए जाएंगे, ताकि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु आराम से अपनी बारी का इंतजार कर सकें। नगर निगम के सहयोग से इन सुविधाओं को अगले छह माह में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। समिति का मानना है कि इन व्यवस्थाओं के लागू होने से बांकेबिहारी मंदिर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी और वृंदावन की धार्मिक पर्यटन व्यवस्था भी अधिक व्यवस्थित- सुविधाजनक बन सकेगी।

गर्मी में आंखों की बढ़ी परेशानियां, मोबाइल ने बढ़ाई बच्चों की मुश्किलें

जिला अस्पताल में रोज पहुंच रहे 100 मरीज, एलर्जी और कमजोर नजर के मामले सबसे ज्यादा

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी बढ़ने के साथ ही आंखों की बीमारियां भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। जिला अस्पताल की नेत्र रोग ओपीडी में इन दिनों रोजाना करीब 100 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। सबसे ज्यादा मरीज आंखों की एलर्जी, जलन, खुजली और नजर कमजोर होने की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि तेज धूप, धूल और मोबाइल–लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल इसकी बड़ी वजह बन रहा है। प्रतिदिन आने वाले मरीजों में 40 से 50 लोग आंखों की एलर्जी से पीड़ित मिल रहे हैं। वहीं करीब 20 मरीज मोतियाबिंद की समस्या लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसके अलावा लगभग 25 बच्चे और युवा ऐसे आ रहे हैं, जिन्हें लगातार मोबाइल, लैपटॉप और अन्य स्क्रीन देखने की वजह से आंखों में दर्द, सिरदर्द और धुंधला दिखाई देने जैसी दिक्कतें हो रही हैं। इनकी उम्र आठ से 20 वर्ष के बीच है।

जिला अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पांत तिवारी ने बताया कि गर्मी के मौसम में

मरीज की आंख को चेक करते जिला अस्पताल के नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ.कल्पांत तिवारी।

आंखों की एलर्जी आम समस्या बन जाती है। धूल, गर्म हवा और तेज धूप के कारण आंखों में लालपन, खुजली और पानी आने की शिकायत बढ़ जाती है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि आंखों को साफ रखें और साफ कपड़े से ही आंखों की सफाई करनी चाहिए।

डॉ. तिवारी ने बताया कि आजकल बच्चे घंटों मोबाइल और लैपटॉप पर पढ़ाई करने या गेम खेलने में लगे रहते हैं। इसका सीधा असर उनकी आंखों पर पड़ रहा है। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सिरदर्द, आंखों में थकान और नजर कमजोर होने जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप नहीं चलाने देना चाहिए। पढ़ाई या स्क्रीन पर काम करते समय बीच–बीच में कम से कम 10 मिनट का आराम जरूर लेना चाहिए। वैसे, बच्चों को किताबों से ही पढ़ाई करनी चाहिए।

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

24 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,45,820

22 कैरट 1,33,668

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ट्रांसफार्मर चोर गैंग पर पुलिस की कार्रवाई

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

पुलिस की गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाश

स्कार्पियो, 88 हजार की नकदी, चोरी करने के मिले औजार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने रिवार्डि और सर्विलांस टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई कर किसानों के खेतों पर लगे बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गैंग के दो सदस्यों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली लगने से घायल दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक जैंत सोनू सिंह ने बताया कि खेतों पर लगे बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गैंग के बारे में उस समय सूचना मिली, जब वह एसओजी और रिवार्डि टीम के साथ देवी आटस रोड पर माइनर के पटरी पर अवरोध लगा कर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक सूचना मिली की बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाला गैंग इलाके में किसी घटना को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। देवी आटस की ओर भी गैंग आ सकता है। इस जानकारी पर पुलिस, सर्विलांस टीम और रिवार्डि टीम के साथ चेकिंग करने लगे। इसी बीच सफेद रंग की स्कार्पियो गाड़ी आती हुई दिखाई दी। पुलिस को चेकिंग करते देख गाड़ी को बदमाशों ने खेतों की ओर बैक करने का प्रयास किया। इस प्रयास में गाड़ी फंस गई। पुलिस ने गाड़ी से उतरकर बदमाशों को भागते देखा तो उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

पुलिस को आता देख बदमाशों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली बदमाशों के पैर में लगी, पुलिस ने मौके से घायल अभियुक्त अनिल उर्फ पुष्पेंद्र निवासी ग्राम कटोरा भदान थाना नगला खंगर जिला फिरोजाबाद और योगेश उर्फ दीपू निवासी लवकुश नगर रामनगर पुलिस चौकी के पीछे थाना लाइनपार जिला फिरोजाबाद को गिरफ्तार कर लिया।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तलाशी के दौरान घायल बदमाशों के कब्जे से 88 हजार रुपये की नकदी, तमंचे- कारतूसों के अलावा सफेद रंग की स्कार्पियो, रस्सा और ट्रांसफार्मर खोलने वाले अन्य औजारों के अलावा ट्रांसफार्मर में लगने वाली गत्ते की प्लेट आदि बरामद हुई है।

सीओ सदर ने बताया कि बदमाश ट्रांसफर्मर से सामान चोरी करने से पूर्व बाइक से दिन में रैकी करते थे। इसके बाद रात में गाड़ी से आकर खेतों पर लगे किसानों को ट्रांसफर्मर चोरी करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों ने कई ट्रांसफार्मर चोरी की वारदातों को अंजाम देने की इकबाल किया है। पुलिस इनके बारे में दूसरे जनपदों से भी जानकारियां हासिल कर रही है।

एसएसपी की सख्ती से दरोगा भेजा गया जेल

पूर्व में तीन दरोगाओं पर की गई है कार्रवाई, कई सिपाही भी नप गए

यूनिक समय, मथुरा। वैष्णो देवी मंदिर (चार धाम) पर फूल माला आदि बिक्री करने वाले दुकानदारों से दरोगा की पार्टनर शिप में चौथवसूली और अवैध पार्किंग चलाने के मामले में थाना जैंत में मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस विभाग की छवि को धूमिल करने वाले चौकी इंचार्ज को पुलिस ने आज कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

एसएसपी द्वारा भ्रष्टाचार करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई किए जाने से विभाग में हड़कंप की स्थिति है। अगर एसएसपी विभाग में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार करने वालों पर इसी तरह कार्रवाई करते रहेंगें तो जनता में एक अच्छा मैसेज जाएगा। हाल ही में राया थाने में तैनात एक दरोगा को भ्रष्टाचार करने के मामले में एसएसपी ने निलंबित किया था। इसके साथ ही दो अन्य दरोगाओं पर भी कार्रवाई की थी। एसएसपी ने अब चौकी इंचार्ज शशांक कौशिक को भ्रष्टाचार के मामले में जेल भेज दिया।

हिस्ट्रीशीटरों की गिरफ्तारी पुलिस की दबिश तेज

यूनिक समय, मथुरा। चौकी इंचार्ज से जुड़े मामले में इगलास थाने के हिस्ट्रीशीटरों की गिरफ्तारी के लिए, पुलिस टीमे लगातार दबिश दे रही है। पुलिस टीमें जानकारी करने के लिए काफी संदिग्धों से पूछताछ कर चुकी है। इसके साथ ही उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस हिस्ट्रीशीटरों को कभी भी गिरफ्तार कर सकती है।

धोखाधड़ी में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। महावन पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गोपी की नगरिया थाना महावन निवासी लोकेश कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने उसके घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की गई जान

हाईवे पर घायलावस्था में मिले व्यक्ति की हुई मौत

बरेली हाईवे पर साइकिल सवार की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। बरेली हाइवे के निकट साइकिल सवार को किसी अज्ञात वाहन ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, हाईवे पर घायलावस्था में मिले व्यक्ति की मौत हो गई।

थाना हाईवे के गांव हकीमपुर निवासी शिशुपाल सिंह (55) कल घर से बाइक से किसी काम से गए थे। बताया गया कि सायं को जयगुरूदेव आश्रम के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर वह घायलावस्था में सड़क पर पड़े हुए थे। पुलिस को भी लोगों ने इस बारे में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद घायल के परिवारीजनों को भी सूचना दी।

परिवार के लोगों को जैसे ही शिशुपाल सिंह के घायल होने का पता लगा, तुरंत हॉस्पिटल पहुंच गए। चिंताजनकर हालत को देखते हुए तुरंत आगरा ले गए। परिवार के लोगों का कहना है कि उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि उनके साथ दुर्घटना अथवा घटना कैसे हुई।

वहीं, थाना राया क्षेत्र स्थित बरेली हाइवे के समीप साइकिल से गांव जाते गजू निवासी रघुनाथ(57) को किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में रघुनाथ बुरी तरह से घायल हो गया और साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। दुर्घटना में मृत रघुनाथ के बारे में जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची राया पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नौकरी में आने से अब तक हो दरोगा की जांच

आठ साल की सर्विस में अपराधियों से कितने रहे हैं होंगे संबंध

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस विभाग में आठ साल की सर्विस के दौरान दरोगा शशांक कौशिक जिन- जिन थाना चौकियों पर तैनात रहा हो उसकी अगर जांच कराई जाए तो उसके अपराधियों से होन वाले संबंधों की कुंडली सामने आ सकती है।

शशांक कौशिक मूल रुप से प्रयागराज का रहने वाला है। पिता की मृत्यु के बाद 2018 में उसे पुलिस विभाग में मृतक आश्रित कोटे में सब इसंस्पेक्टर की नौकरी मिल गई। पुलिस विभाग में नौकरी मिलने के बाद आठ साल की सर्विस में वह किन जनपदों के किन–किन थानों में तैनात रहा, इसके बारे में आगर उसका रिकार्ड खंगाला जाए तो उसके उन इलाके के शातिर अपराधियों से संबंध होने के साथ–साथ उनके साथ इलाके में होने वाली घटनाओं में भी दरोगा की पार्टनरशिप और उससे होने वाली कमाई की भी जानकारी पुलिस विभाग को हो जाएगी। हलांकि एसएसपी श्लोक कुमार ने दरोगा के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए इगलास थाने में उसकी पोस्टिंग के दौरान हिस्ट्रीशीटरों की गिरफ्तारी पर पच्चीस–पच्चीस हजार रुपये का इनाम घोषित कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में टीम लगाई हैं।

बाइक सवार युवकों पर स्कार्पियो सवारों ने की फायरिंग

फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल

यूनिक समय, मथुरा। सादाबाद रोड से जिम करने के बाद लौटते तीन युवकों की बाइक को काले रंग की स्कार्पियो में सवारों ने पहले टक्कर मार दी। सड़क पर गिर जाने के बाद फायरिंग की। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। मदेम निवासी युवक छोटू का कहना है कि वह अपने साथी चिराग और अंकित के साथ सादाबाद रोड स्थित जिम से व्यायाम करने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में काले रंग की स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह तीनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद स्कॉर्पियो सवारों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। किसी तरह जान बचाकर वे मौके से भागने में सफल रहे। छोटू का कहना है कि फायरिंग करने वालों में से अजय नामक युवक को उसने पहचान लिया। उसके साथ तीन–चार अन्य युवक भी थे। बताया जा रहा है कि एक माह पूर्व गांव मदेम में फायरिंग की घटना हुई थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अजय पहले भी उस पर फायरिंग कर चुका है। एक माह के अंदर दो बार हुई फायरिंग की घटना के कारण इलाके में दहशत का माहौल है। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जाम में सायरन और हॉर्न ने मचाया हंगामा, यातायात व्यवस्था फेल

उमस के साथ जाम बना फांस, बिलबिलाई जान

तीन ओर से फंसे वाहन ई-रिक्शा बढ़ाते रहे समस्या

कृष्णानगर से गोर्वधन चौराहा जाने वाले मार्ग पर जाम में फंसी एंबुलेंस।

हाइवे से गोवर्धन चौराहा आने वाले सर्विस मार्ग में लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। माह का दूसरा शनिवार शहर को जाम की सौगात दे गया। गोवर्धन चौराहे पर तीन ओर से फंसे वाहनों ने घंटों चिल्ल– पौं मचाई तो हूटर– सायरन जाम के हालात को बेकाबू करते रहे। उमस और जाम में फंसी जिंदगी ऐसे हालात से बिलबिलाती रही। यातायात पुलिसकर्मी भी मैदान छोड़ते रहे, जिससे जाम के हालात और बिगड़ते रहे।

गोवर्धन चौराहा का जाम अब लोगों के लिए हर रोज का संकट बन चुका है। अवकाश के दिनों में लगने वाला जाम लोगों के समय और जेब पर भारी पड़ने लगा है।

आज दोपहर भी गोवर्धन चौराहा पर जाम लग गया तो हर ओर से सायरन, हूटर और प्रेशर हॉर्न कानों के पर्दों को हिलाते रहे।

कृष्णानगर से चौराहे की ओर एक ओर के करीब आधा किमी. लंबे जाम में एंबुलेंस भी सायरन बजाती दिखी, तो निजी वाहनों में लगे हूटर भी खूब शोर मचाते रहे। वहीं, आगरा से मथुरा की ओर वाली सर्विस लाइन में वाहनों को आधा किमी. तय करने में काफी समय खर्च करना पड़ा। गोवर्धन की ओर से आने वाले भी चौराहे पर जाम में फंसे रहे। उमस और जाम में में वाहनों के कान के पर्दों को हिलाने वाले हॉर्न असहनीय होते रहे। ऐसे में यातायात कर्मी भी जाम की वजह से परेशान होते रहे।

जाम की समस्या बने उल्टे दौड़े वाहन

कृष्णानगर से गोवर्धन चौराहे तक लगे जाम के दौरान लोग धैर्य के बजाय जल्दवाजी में दिखे। इंतजार करने के बजाय टेंपो चालक और ई– रिक्शा संचालक कृष्णानगर के कई कटों का अनुचित लाभ लेते हुए उल्टी दिशा में चलकर चौराहे तक पहुंचते रहे, जिससे जाम सुलझने के बजाय और गहराता रहा।

अधिक मास के अंतिम दिन धार्मिक नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़

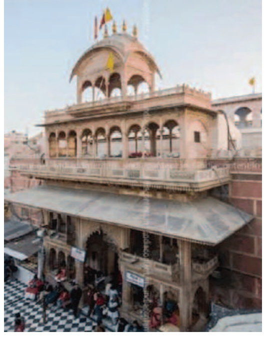

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास के समापन में अब केवल दो दिन शेष रह गए हैं। शनिवार को सेकंड शनिवार और रविवार के अवकाश के चलते धर्मनगरी मथुरा–वृंदावन में श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मंदिरों और परिक्रमा मार्गों को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। पूरे वृंदावन में भीड़ का जन सैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर भीड़ का दबाव बन गया,जहां दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

वृंदावन की प्रमुख सड़कों, गलियों और मंदिरों के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर नजर आई। बांकेबिहारी मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतारें दूर तक फैली रहीं।

मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में इतनी भीड़ रही कि लोगों को आगे बढ़ने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ा। भीड़ के दबाव को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार व्यवस्था संभालनी पड़ी। श्रद्धालु इसके बाद भी बांकेबिहारी के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस कर रहे थे। श्रद्धालुओं के चेहरों पर भक्ति और उत्साह साफ दिखाई दिया।

झमाझम बारिश से ताल–तलैया बना हाइवे का सर्विस रोड

टाउनशिप के पास सर्विस रोड को हाइवे से जोड़ने वाले रास्ते पर भरा बारिश का पानी।

टाउनशिप के गेट के पास सर्विस मार्ग पर भरे पानी से निकलती कार।

यूनिक समय, मथुरा। मानसून से पहले आई एक बारिश ने हाइवे के सर्विस रोड को ताल– तलैया बना दिया। महुअन टोल प्लाजा से मथुरा मंडी तक सर्विस रोड पर भरा बारिश का पानी विकास के दावों की कलई खोलता रहा। एक से करीब दो फीट जमा पानी से वाहन चालक तो जरूर निकले, लेकिन राहगीरों को इधर– उधर से रास्ता नापना पड़ा।

शुक्रवार रात मानसून से पहले हुई एक झमाझम बारिश ने हाइवे के सुंदरीकरण को लेकर किए जा रहे दावों की कलई खोलकर रख दी है। बारिश होने के बाद आठ घंटे तक सर्विस रोड पर जमा पानी काम के दावों की पोल खोलता दिखा।

महुअन टोल पर हुए जलभराव को निकालने के लिए मशीन जुटी रही, जबकि टाउनशिप गेट के समीप वाले सर्विस रोड पर हुआ जलभराव और कीचड़ हर किसी की समस्या की वजह बना।

टाउनशिप पुल के सर्विस मार्ग को हाइवे से जोड़ने वाले कट पर भी बारिश

हाइवे के महुअन टोल पर भरे पानी को समेटती मशीन।

महुअन टोल से मंडी तक सर्विस रोड पर नजर आया जलभराव

नाले अवरुद्ध होने से हुई समस्या, पानी निकालने को लगीं मशीन

सर्विस रोड पर भरे पानी को निकालने के लिए मशीन काम करती रही। टोल प्रबंधन का कहना था कि हाइवे के नालों की सफाई चल रही है, मलबा निकाला जा रहा है, जिससे यह नाले बारिश के पानी को सोख सकें।

डिजिटल जागरूकता से मजबूत हुई टीबी उन्मूलन की मुहिम

अभियान में 550 से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सामग्री वितरित

100 से ज्यादा मरीजों ने डाउनलोड किया टीबी मुक्त भारत ऐप

100 दिवसीय अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में चल रहे 100 दिवसीय सघन क्षय रोग खोज अभियान के तहत गोवर्धन, बरसाना, बलदेव और फरह क्षेत्रों में जनजागरूकता- पोषण सहायता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुंडोना रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन के सहयोग से 550 से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सामग्री वितरित की गई, जिससे उनके उपचार और स्वास्थ्य लाभ में सहायता मिल सके। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी गई। टीबी चैंपियन अरविंद कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए मरीजों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने बताया कि स्वयं टीबी को मात देने के बाद आज वे स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। घबराने के बजाय उपचार पर विश्वास रखें, नियमित दवा लें और पौष्टिक भोजन खाएं। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने मरीजों और उनके परिजनों को ऐप की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से उपचार संबंधी जानकारी, सरकारी योजनाओं का लाभ, पोषण सहायता से जुड़े विवरण और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्राप्त की जा सकती है।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। निक्षय मित्रों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों के सहयोग से ही टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम में लक्ष्मीकांत गौर, डॉ. आर. चंद्रावली, पंकज यादव, मंजीत गौर, मुकेश चंद, संजय, अनूप कुमार, निश्चल कुमार, शिव कुमार, तेजवीर, आकाश, राजेश यादव, डॉ. नवल किशोर सहित स्वास्थ्य विभाग और फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

यातायात और सिविल पुलिस के सिपाही में हुई मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के सुनरख रोड पर यातायात पुलिस के सिपाही और सिविल पुलिस के सिपाही के बीच किसी बात को लेकर हुई कहासुनी से शुरू हुआ विवाद हाथापाई तक पहुंच गया। दोनों को सड़क पर इस तरह झगड़ते देख किसी राहगीर ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया।

बताया गया कि यातायात पुलिस के सिपाही का वहां से गुजरते समय एक सिविल पुलिस के सिपाही के साथ किसी बात को लेकर आपस में कुछ कहासुनी हो गई। दोनों में बात इतनी बढ़ गई कि नौबत हाथापाई पर आ गई। वर्दी पहने दोनों सिपाहियों के बीच हुए झगड़े का वीडियो किसी रहागीर ने बनाकर वायरल कर दिया। दोनों सिपाहियों के बीच झगड़ा किस बात को लेकर हुआ, इस बारे में किसी को कुछ पता नहीं लग सका। वायरल वीडियो की बात पर अधिकारी इसकी जांच कराकर कार्रवाई करने की बात कह रहे है।

वायरल वीडियो की अधिकारी करा रहे हैं जांच

मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान जरूरी

रक्तदान का महत्व बताते चिकित्सक तथा नुक्कड़ नाटक और रक्तदान करते मेडिकल छात्र-छात्राएं।

केडी मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से दिया रक्तदान का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मेडिकल छात्र-छात्राओं ने स्वयं रक्तदान कर समाज को एक अनुकरणीय और प्रेरणादायक संदेश भी दिया।

अंतरराष्ट्रीय रक्तदान दिवस के एक दिन पहले केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा एमओआईसी ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समन्वयक डॉ. सोनम बिलावारिया, डॉ. संगीता, डॉ. योगिता, डॉ. आकांशा, डॉ. शुभम की देखरेख में मेडिकल छात्र-छात्राओं सावनी पाटिल, सुहानी पाटिल, आदित्य श्रीवास्तव, सानवी भाटिया, पूनम सैनी, मुद्रिका पाठक, ओजेस्वी शर्मा, श्रेयश घुगे, आयुष कुमार, आयुष पटेल आदि ने नुक्कड़ नाटक कर लोगों को रक्तदान के लाभ बताए, रक्तदान करने को प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के बाद स्वयं रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. श्याम बिहारी शर्मा, डॉ. एसके बंसल, डॉ. वीपी पांडेय, डॉ. मंजू पांडेय, उप-कुलसचिव हेमा जोशी आदि ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। के.डी. विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा दान है। हमें स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा में अपना योगदान देना चाहिए।

डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है, लिहाजा हमें दूसरों का जीवन बचाने के लिए समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। डॉ. वीपी पांडेय ने अपने संदेश में कहा कि रक्त की कमी वालों के लिए रक्त की पूर्ति जीवनदान जैसी है। डॉ. मंजू पांडेय ने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति को एक-दूसरे के सहयोग के लिए तत्पर रहने की जरूरत है। डॉ. एसके बंसल ने कहा कि रक्त किसी कंपनी में नहीं बनता, इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान जैसे जीवन रक्षक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. संगीता सिंह, डॉ. सोनम, डॉ. योगिता, डॉ. शुभम आदि ने रक्तदान कर लोगों की जीवन रक्षा का अनुकरणीय उदाहरण पेश करने वाले रक्तदाता छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। रक्तदान शिविर में सहयोग टेक्निकल सुपरवाइजर एच.एस. शेखावत और उनकी टीम ने किया।

प्रथम पहल फाउंडेशन का शपथ ग्रहण समारोह

एंबुलेंस सेवा का हुआ शुभारंभ

पिता सुरेश चंद्र अग्रवाल की स्मृति में प्रथम पहल फाउंडेशन को एंबुलेंस की चाबी देते सुनील अग्रवाल (स्वीटी सुपारी)। साथ हैं विहिप नेता कन्हैया लाल अग्रवाल।

अधिकारियों को दिलाई गई शपथ

यूनिक समय, मथुरा। प्रथम पहल फाउंडेशन ने एक स्थानीय होटल में शपथ ग्रहण- अधिष्ठापन समारोह और एंबुलेंस लोकार्पण कार्यक्रम किया। शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी नवलगिरी, भगवताचार्य रसिया बाबा, विशिष्ट अतिथि सुनील अग्रवाल (स्वीटी सुपारी), संरक्षक महेश चंद्र अग्रवाल कसेरे, अनिल अग्रवाल, डॉ. अशोक अग्रवाल, चौधरी भगवत शरण अग्रवाल, द्वारकेश अग्रवाल, राम निवास अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक जयंती प्रसाद अग्रवाल (जेएसआर ग्रुप), संस्थापक सीए अमित अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल, निवर्तमान महासचिव योगेश गोयल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन करके किया गया। संस्थापक सीए अमित अग्रवाल ने कन्हैयालाल अग्रवाल (स्वीटी) को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त अध्यक्ष ने प्रियांश अग्रवाल को महासचिव, पंकज टालीवाल को कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार बंसल, मनोज अग्रवाल (कोल्हापुरी) और हरीश कुमार जैन को उपाध्यक्ष, नारायण हरि गोयल (सम्मी) को सचिव, रूपेश अग्रवाल (गिल्ट वाले) को उप-कोषाध्यक्ष, आशीष खंडेलवाल (नकुल) को आय-व्यय निरीक्षक, सीए सचिन अग्रवाल को आर्थिक सलाहकार, सुधीर अग्रवाल को संगठन मंत्री, गिरीश वर्मा, बृजवासी लाल, चन्द्रपाल सिंह निषाद को प्रचार मंत्री पद की शपथ दिलाई। सुनील अग्रवाल (स्वीटी सुपारी) ने अपने पिता सुरेश चंद्र अग्रवाल की स्मृति में प्रथम पहल फाउंडेशन को एक एंबुलेंस चाबी भेंट की। जयंती प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि संस्था के संरक्षक महेश चंद्र अग्रवाल कसेरे के प्रयासों से मोहनलाल अग्रवाल आगरा द्वारा प्रथम पहल फाउंडेशन को अस्पताल निर्माण के लिए भूमि प्रदान की गई है। इस अवसर पर विष्णु शास्त्री, सुभाष मित्तल,राम सरीन, पवन चतुर्वेदी, ललित मोहन शर्मा, मनीष शोरावाला, जितेन्द्र गोयल सर्राफ, अमित मित्तल,अशोक भारद्वाज,अनुपम शर्मा, मनोज अग्रवाल, मयंक अग्रवाल,अनुज अग्रवाल, योगेश सर्राफ, गजानंद अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल, मोतीलाल अग्रवाल, कृष्ण मुरारी, दिनेश गुडेरा, माखन सिंह, सत्येन्द्र जोशी, सुरेश चंद बंसल, वेद प्रकाश अग्रवाल, बंसी अग्रवाल, अतुल टालीवाल, विजय कागजी, मनीष भार्गव, निर्देश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य, अतिथि उपस्थित रहे।

एक रात का तूफान पूरा जिला बेहाल

बिजली तंत्र ध्वस्त, लाखों का नुकसान

सैकड़ों गांव और मोहल्ले अंधेरे में डूबे, पोल-ट्रांसफार्मर टूटने से ठप हुई बिजली

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार रात आए तूफान और मूसलाधार बारिश ने जनपद की बिजली व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया। काफी देर तक चली तेज आंधी ने ऐसा कहर बरपाया कि जिले के कई हिस्सों में बिजली का पूरा ढांचा चरमरा गया। दर्जनों बिजली पोल धराशायी हो गए, कई ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए और शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हजारों परिवार अंधेरे में डूब गए। प्रारंभिक आकलन में बिजली विभाग को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर बिजली के खंभे ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। रात होते-होते मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, मांट, कोसी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई। गर्मी और उमस के बीच बिजली गुल होने से लोगों की रात बेचैनी और परेशानी में गुजरी। सबसे अधिक दिक्कत वृंदावन और गोवर्धन क्षेत्र में देखने को मिली।

वृंदावन के कैलाश नगर, बांकेबिहारी कॉलोनी, राजपुर, रमणरेती सहित अनेक क्षेत्रों में पूरी रात अंधकार पसरा रहा। घरों में लगे इन्वर्टर जबाव दे गए और लोग गर्मी से राहत पाने के लिए छतों और गलियों में समय बिताने को मजबूर हो गए।बिजली कटौती का सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ा। मोटरें बंद होने से टंकियां खाली हो गईं और लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। कई मोहल्लों में सुबह तक पानी की एक-एक बूंद के लिए लोग परेशान दिखाई दिए। हैंडपंपों और सार्वजनिक जलस्त्रोतों पर लोगों की भीड़ लग गई। अधिक मास मेले के चलते इन दिनों मथुरा-वृंदावन में लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी है। ऐसे समय में बिजली संकट ने प्रशासन और बिजली विभाग की चिंता बढ़ा दी। बिजली विभाग के अनुसार, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बिजली पोल और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बैठक में हुई धर्मगुरु परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा

यूनिक समय, वृंदावन। श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम, गोधूलीपुरम छात्रावास वृंदावन के सभागार में शनिवार को धर्मगुरु परीक्षाओं की तैयारियों- सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में 15 जून से प्रारंभ होने वाली धर्मगुरु परीक्षाओं की व्यवस्थाओं-सुरक्षा संबंधी तैयारियों के बारे में मंथन किया गया। बताया गया कि एक वर्षीय पुरोहित कर्मकांड डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 48 और व्यवहारिक ज्योतिष डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 17 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षाएं उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा संचालित की जा रही हैं, जो जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशों, पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था सीसी कैमरों की निगरानी में होंगी। केंद्र व्यवस्थापक के रूप में अनिल तिवारी (प्रवक्ता, निम्बार्क वेदांत) और केंद्राध्यक्ष में प्रधानाचार्य आचार्य चैतन्य गौड़ दायित्व निभाएंगे। बैठक में अध्यक्ष आचार्य राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, उपाध्यक्ष महेश चंद्र पाठक, मंत्री संजय कुमार, बनवारी लाल गौड़, डॉ. बंटी शर्मा,प्रेम नारायण, देवनारायण, चैतन्य गौड़, प्रियंका अग्निहोत्री,जयवीर सिंह चौधरी,कृष्ण गोपाल शर्मा,परमानंद शर्मा,हरिओम कुमार पाठक औरदुष्यंत कुमार शर्मा सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

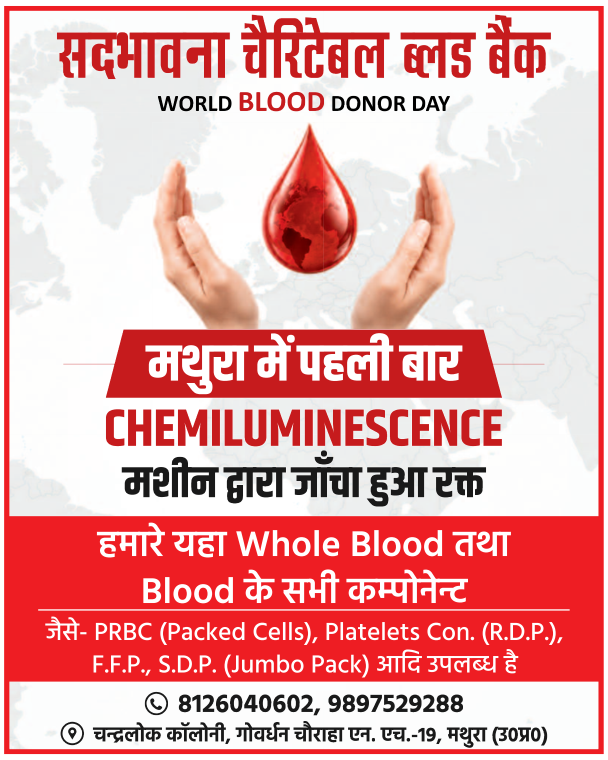

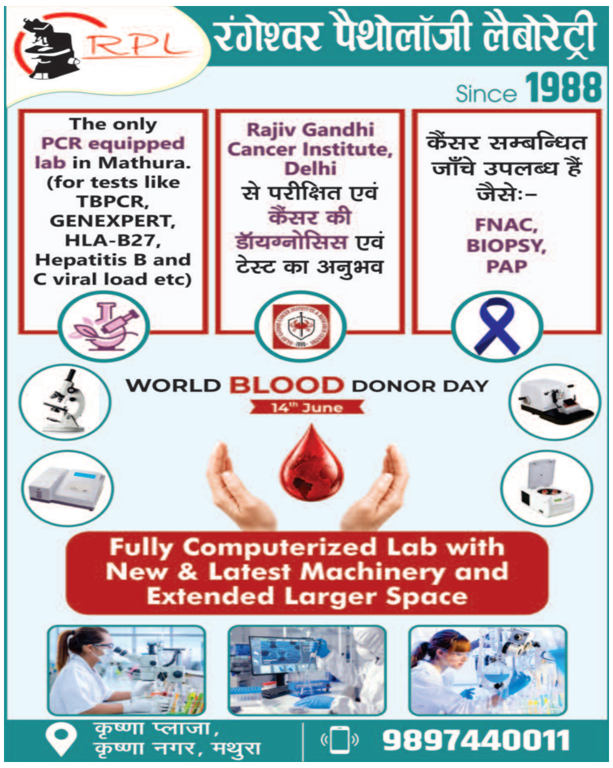

डायबिटीज को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी

शुगर बढ़ी तो खतरे में पड़ सकते हैं शरीर के यह अंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में डायबिटीज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों में से एक बन चुकी है। पहले यह समस्या मुख्य रूप से बुजुर्गों में देखी जाती थी, लेकिन अब खराब खानपान, तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी और अनियमित जीवनशैली के कारण युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि डायबिटीज केवल ब्लड शुगर बढ़ने की बीमारी नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर को प्रभावित कर सकती है। यदि समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह कई महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा सकती है। डायबिटीज तब होती है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या फिर इंसुलिन का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता। इसके कारण रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। लंबे समय तक हाई ब्लड शुगर रहने से रक्त वाहिकाएं और नसें प्रभावित होने लगती हैं, जिससे कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार डायबिटीज का सबसे अधिक असर हृदय पर पड़ता है। ब्लड शुगर बढ़ने से धमनियों में रुकावट और सूजन की समस्या बढ़ सकती है, जिससे हार्ट अटैक और हृदय रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा मस्तिष्क पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अनियंत्रित शुगर स्ट्रोक और याददाश्त से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। आंखें भी डायबिटीज से प्रभावित होने वाले प्रमुख अंगों में शामिल हैं। लगातार बढ़ा हुआ शुगर लेवल आंखों की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे धुंधला दिखाई देना, रेटिना की समस्या और गंभीर मामलों में दृष्टि हानि तक हो सकती है।

इन अंगों को सबसे ज्यादा होता है नुकसान

किडनी पर भी डायबिटीज का गहरा असर पड़ता है। किडनी रक्त को फिल्टर करने का काम करती है, लेकिन लंबे समय तक हाई शुगर रहने से उसकी कार्यक्षमता कमजोर हो सकती है। इससे किडनी संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं फैटी लिवर की समस्या भी डायबिटीज मरीजों में अधिक देखने को मिलती है। इसके अलावा जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और समय-समय पर ब्लड शुगर की जांच डायबिटीज को नियंत्रित रखने के लिए बेहद जरूरी है। मीठे और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स से दूरी बनाकर तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी के गंभीर दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। समय पर सावधानी ही डायबिटीज से होने वाले बड़े नुकसान को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

आंखों में नहीं होगी जलन, ऐसे काटें प्याज

अपनाएं ये आसान ट्रिक्स, नहीं होगी आंखों में जलन

यूनिक समय, नई दिल्ली। रसोई में प्याज काटते समय आंखों से आंसू आना एक आम समस्या है। दरअसल, जब प्याज को काटा जाता है तो उसकी कोशिकाएं टूट जाती हैं और एक गैस निकलती है। यह गैस आंखों के संपर्क में आने पर जलन पैदा करती है, जिससे आंखों से आंसू आने लगते हैं। हालांकि, कुछ आसान उपाय अपनाकर इस परेशानी से काफी हद तक बचा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्याज की जड़ वाले हिस्से में आंसू लाने वाले तत्व सबसे अधिक होते हैं। इसलिए प्याज काटते समय उसकी जड़ को सबसे आखिर में काटना चाहिए। इससे आंखों में जलन और आंसू आने की समस्या कम हो सकती है। इसके अलावा, प्याज को काटने से पहले 5 से 10 मिनट तक पानी में भिगोकर रखना भी फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से प्याज से निकलने वाले तत्वों का असर कम हो जाता है और आंखों में कम जलन होती है। वहीं, तेज धार वाले चाकू का इस्तेमाल करना भी एक अच्छा उपाय है। तेज चाकू प्याज की कोशिकाओं को कम नुकसान पहुंचाता है, जिससे कम मात्रा में गैस निकलती है। एक और आसान तरीका यह है कि प्याज को काटने से पहले 20 से 30 मिनट तक फ्रिज में रख दें। ठंडा तापमान गैस बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है, जिससे आंखों पर उसका प्रभाव कम पड़ता है। कुछ लोग प्याज काटते समय रसोई का एग्जॉस्ट फैन या पंखा भी चालू रखते हैं, ताकि गैस आंखों तक न पहुंच सके।

तनावमुक्त जीवन के आसान मंत्र सिखाती किताब

यूनिक समय, नई दिल्ली। डॉ. अंकिता राज की पुस्तक 'स्वास्थ्य एवं खुशियों के क्विक टिप्स' में बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति और खुशहाल जीवन के लिए दिए गए हैं सरल और व्यावहारिक सुझाव। भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का बढ़ता दबाव और बदलती जीवनशैली के कारण तनाव आज लोगों की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बन गया है। ऐसे माहौल में स्वस्थ और खुश रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए डॉ. अंकिता राज द्वारा लिखी गई पुस्तक 'स्वास्थ्य एवं खुशियों के क्विक टिप्स' लोगों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका बनकर सामने आई है। इस पुस्तक की खास बात यह है कि इसमें स्वास्थ्य, मानसिक विकास, रिश्ते, अच्छी आदतें, उत्पादकता और सकारात्मक सोच जैसे विषयों को बेहद सरल भाषा में समझाया गया है। 11 अध्यायों में विभाजित यह किताब बताती है कि जीवन में छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर कैसे बड़ी खुशियां हासिल की जा सकती हैं। पुस्तक में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन को भी बराबर महत्व दिया गया है। तनाव कम करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और बेहतर जीवनशैली अपनाने के कई आसान उपाय इसमें शामिल हैं। इसके अलावा, किताब में दिए गए व्यावहारिक सुझाव पाठकों को तुरंत जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। युवा, कामकाजी लोग या बुजुर्ग, यह पुस्तक हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। यदि आप स्वस्थ, तनावमुक्त और खुशहाल जीवन जीने की राह तलाश रहे हैं, तो यह किताब आपके लिए एक बेहतरीन साथी बन सकती है।

प्रोटीन का पावरहाउस हैं ये साधारण भीगे चने

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिटनेस और मसल्स बनाने की बात आते ही ज्यादातर लोग महंगे प्रोटीन पाउडर, शेक और सप्लीमेंट्स का सहारा लेने लगते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार रोजमर्रा की साधारण चीजें भी शरीर को भरपूर पोषण दे सकती हैं। इन्हीं में से एक है भीगा हुआ चना, जिसे प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और फाइबर का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार 100 ग्राम भीगे हुए चने में लगभग 15 से 17 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। यदि कोई व्यक्ति एक बड़ी कटोरी यानी करीब 150 से 200 ग्राम भीगे चने का सेवन करता है, तो उसे लगभग 20 से 25 ग्राम तक प्रोटीन मिल सकता है। यह मात्रा कई प्रोटीन शेक्स के बराबर मानी जाती है। यही कारण है कि जिम जाने वाले और मसल्स बनाने की इच्छा

रखने वाले लोगों के लिए भीगे चने को एक बेहतरीन और किफायती विकल्प माना जाता है। चने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें मौजूद प्रोटीन आसानी से पच जाता है और शरीर इसे बेहतर तरीके से अवशोषित कर लेता है। इसके अलावा चना लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है, जिससे अनहेल्दी स्नैकिंग की आदत कम हो सकती है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जो लोग वजन बढ़ाना या शारीरिक ताकत में सुधार करना चाहते हैं, वे भीगे चनों का सेवन गुड़ और दूध के साथ कर सकते हैं। चने में मौजूद आयरन और गुड़ के पोषक तत्व मिलकर शरीर में आयरन के अवशोषण को बेहतर बनाते हैं। इससे खून की कमी की समस्या से बचाव में भी मदद मिल सकती है। चने में कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य जरूरी खनिज भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि चना शरीर में जमा अतिरिक्त पानी को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे शरीर अधिक फिट और टोंड नजर आता है। हालांकि केवल चना खाने से ही मसल्स नहीं बनते। बेहतर परिणाम के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद भी जरूरी है। फिर भी, भीगे चने को रोजाना की डाइट में शामिल करना फिटनेस की दिशा में एक आसान, सस्ता और फायदेमंद कदम साबित हो सकता है।

गर्मी में क्यों बढ़ जाती है आंखों की ये समस्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम सिर्फ त्वचा पर ही नहीं, बल्कि आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा पर भी असर डालता है। कई लोगों को इस दौरान आंखों के नीचे सूजन, डार्क सर्कल और चेहरे पर थकान साफ दिखाई देने लगती है। अक्सर लोग इसे सिर्फ नींद की कमी का नतीजा मानते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे डिहाइड्रेशन, तेज धूप, खराब लाइफस्टाइल और स्क्रीन पर लंबे समय तक काम करना भी बड़ी वजह हो सकती है। आंखों के आसपास की त्वचा शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी पतली होती है। गर्मियों में अधिक पसीना निकलने से शरीर में पानी की कमी होने लगती है, जिससे आंखों के नीचे सूजन और थकान नजर आने लगती है। मेडिकल भाषा में इसे पेरिऑर्बिटल पफीनेस कहा जाता है, जिसमें आंखों के आसपास के ऊतकों में तरल पदार्थ जमा हो जाता है। डार्क सर्कल क्यों हो जाते हैं गहरे? डार्क सर्कल कई कारणों से हो सकते हैं। पर्याप्त नींद न लेना, शरीर में पानी की कमी, तनाव और धूप के अधिक संपर्क में रहना इसकी प्रमुख वजहें हैं। तेज धूप आंखों के नीचे पिगमेंटेशन बढ़ा सकती है, जिससे काले घेरे और अधिक गहरे दिखाई देने लगते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी स्क्रीन देखने से भी आंखों पर दबाव बढ़ता है, जो इस समस्या को बढ़ा सकता है। कैसे करें बचाव? आंखों की सूजन कम करने के लिए ठंडी सिकाई काफी फायदेमंद मानी जाती है। ठंडे खीरे के स्लाइस, टी बैग्स या ठंडे चम्मच को कुछ मिनट आंखों पर रखने से राहत मिल सकती है। शरीर को हाइड्रेट रखना भी बेहद जरूरी है। गर्मियों में पर्याप्त पानी पीने के साथ खीरा, तरबूज और संतरे जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन करना चाहिए। नमक का अत्यधिक सेवन भी आंखों के नीचे सूजन बढ़ा सकता है, इसलिए प्रोसेस्ड और ज्यादा नमकीन खाद्य पदार्थों से दूरी बनाना बेहतर है। साथ ही रोजाना 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लेना और बाहर निकलते समय वश प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनना भी जरूरी है। कब डॉक्टर से संपर्क करें? यदि आंखों की सूजन लंबे समय तक बनी रहे, दर्द, खुजली, लालिमा या अचानक एक आंख में ज्यादा सूजन दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण किसी एलर्जी, संक्रमण या अन्य स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

रात की यह आदत छीन सकती है मां बनने की खुशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की व्यस्त जीवनशैली में महिलाएं घर, नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अक्सर अपनी नींद से समझौता कर लेती हैं। देर रात तक मोबाइल चलाना, सोशल मीडिया देखना, ऑफिस का काम करना या घरेलू जिम्मेदारियां निभाना कई महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदत भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, खासकर महिलाओं की प्रजनन क्षमता यानी फर्टिलिटी पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, शरीर की जैविक घड़ी (बॉडी क्लॉक) और हार्मोन का संतुलन नींद पर काफी हद तक निर्भर करता है। महिलाओं में ओव्यूलेशन यानी अंडाणु बनने और निकलने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले हार्मोन गहरी नींद के दौरान सक्रिय होते हैं। यदि नींद पूरी नहीं होती या बार-बार बाधित होती है, तो इन हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पीरियड्स अनियमित होने और ओव्यूलेशन प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पर्याप्त नींद न लेने से शरीर में कोर्टिसोल नामक तनाव हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। वहीं, मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है, जो अंडों की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हार्मोनल असंतुलन का असर धीरे-धीरे महिलाओं की फर्टिलिटी पर पड़ सकता है और गर्भधारण में मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि महिलाओं को रोजाना 7 से 8 घंटे की अच्छी और गहरी नींद जरूर लेनी चाहिए। कई शोधों में भी यह पाया गया है कि समय पर सोने और पर्याप्त नींद लेने वाली महिलाओं में प्रजनन क्षमता बेहतर रहती है। इसलिए बेहतर स्वास्थ्य, हार्मोन संतुलन और फर्टिलिटी बनाए रखने के लिए रात 11 बजे तक सोने की आदत अपनाना बेहद जरूरी माना जाता है।

सुविचार

कुछ रिश्ते नाम के मोहताज नहीं होते, एहसास ही उनकी पहचान होता है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	04:08-12:20 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	01:16-10:13 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	04:04 AM
सूर्यास्त		7:11 PM	चंद्रास्त	06:44 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:28 PM: 07:11 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा आज।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरी में प्रगति होगी। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क: भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह: कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लाभ देंगे। परिवार में खुशियां आएंगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कन्या: व्यापार में लाभ के संकेत हैं। नए संपर्क बनेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

तुला: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पुराने विवाद सुलझेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

वृश्चिक: करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। मन उत्साहित रहेगा।

धनु: नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। यात्रा शुभ रहेगी। आय में वृद्धि होगी। रिश्तों में मजबूती आएगी।

मकर: कार्यभार बढ़ सकता है। धैर्य से काम लें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार के साथ समय बिताएं।

कुंभ: नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। मित्र सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धार्मिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ संभव है। परिवार में सुख–शांति रहेगी।

पिता के जीवित रहते बेटों के लिए बताए गए पांच नियम

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू परंपराओं में पिता को परिवार का मार्गदर्शक, संरक्षक और प्रथम गुरु माना गया है। मान्यता है कि पिता के रहते बेटों को कुछ सामाजिक और पारिवारिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। इन नियमों का उद्देश्य अधिकार जताना नहीं, बल्कि परिवार में सम्मान, अनुशासन और सामंजस्य बनाए रखना है।

सम्मान और मर्यादा से बनता परिवार

पिता के रहते इन कामों से बचने की सलाह

शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार, जब तक पिता जीवित हैं, पूर्वजों से जुड़े प्रमुख धार्मिक कार्यों जैसे तर्पण और पिंडदान का पहला अधिकार पिता को माना जाता है। इसलिए बेटों को ऐसे कार्य बिना विशेष कारण स्वयं नहीं करने चाहिए। कई स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठानों में परिवार के मुखिया को प्राथमिकता देने की परंपरा आज भी प्रचलित है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसी प्रकार बड़े पारिवारिक धार्मिक आयोजनों, हवन या विशेष पूजा–पाठ में नेतृत्व की भूमिका भी पारंपरिक रूप से पिता को दी जाती है। बुजुर्गों का मानना है कि पिता के रहते बेटों को सम्मानवश उन्हें आगे रखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ क्षेत्रों में एक पुरानी मान्यता यह भी रही है कि पिता के जीवित रहते बेटा अपनी मूंछ पूरी तरह नहीं मुंडवाता। हालांकि आधुनिक समय में इसे अनिवार्य नियम नहीं माना जाता, लेकिन इसे पारिवारिक सम्मान और परंपरा का प्रतीक समझा जाता था।

सामाजिक व्यवहार में भी पिता को प्राथमिकता देने की परंपरा रही है। दान–पुण्य, सार्वजनिक कार्यक्रमों या सामाजिक परिचय के समय पहले पिता का नाम लेना विनम्रता और संस्कार का प्रतीक माना जाता है। इससे परिवार की परंपरा और सम्मान का भाव मजबूत होता है।

इसके अलावा, सार्वजनिक रूप से पिता का अपमान करना या उन्हें टोकना उचित नहीं माना गया है। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन उन्हें निजी स्तर पर सुलझाना परिवार की गरिमा और एकता के लिए बेहतर समझा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परंपराओं का मूल उद्देश्य पिता–पुत्र के रिश्ते में सम्मान, संवाद और पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखना है, ताकि परिवार में सुख–शांति और सौहार्द बना रहे।

घोड़े की नाल का उपाय, घर में आए बरकत अपार

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना गया है। मान्यता है कि मुख्य द्वार पर घोड़े की नाल लगाने से घर में सुख–समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार घोड़े की नाल का संबंध शनि ग्रह और लोहे तत्व से माना जाता है। इसे मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मकता, बुरी नजर और वास्तु दोषों का प्रभाव कम होने की मान्यता है। खासकर उत्तर, उत्तर–पश्चिम और पश्चिम दिशा वाले मुख्य द्वार पर इसे लगाना शुभ माना जाता है।

घोड़े की नाल को इस प्रकार लगाना चाहिए कि उसका खुला हिस्सा ऊपर की ओर रहे। शनिवार के दिन गंगाजल से शुद्ध कर इसे लगाने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे घर में बरकत, शांति और आर्थिक स्थिरता बनी रहती है।

हालांकि टूटी, जंग लगी या नकली सजावटी नाल का उपयोग नहीं करना चाहिए। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इस्तेमाल की हुई असली घोड़े की नाल अधिक प्रभावशाली मानी जाती है।

गर्मी में इन दानों से मिलता अपार पुण्य

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में दान को सबसे श्रेष्ठ कर्मों में माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है, दोषों का नाश होता है और जीवन में सुख–समृद्धि आती है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में कुछ वस्तुओं का दान अत्यंत फलदायी बताया गया है।

धार्मिक परंपराओं में पान के पत्ते (तांबूल) का दान महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि इससे सांसारिक सुख–सुविधाओं की प्राप्ति होती है। वहीं पानी का घड़ा, ठंडा पानी, शरबत, छाछ और लस्सी का दान गर्मी में सबसे पुण्यदायी माना जाता है, क्योंकि इससे लोगों को राहत मिलती है।

इसके अलावा घी, भोजन और चावल का दान भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि चावल दान करने से आयु में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

गर्मी से बचाव के लिए पंखा और चटाई का दान भी विशेष महत्व रखता है। कहा जाता है कि इससे सुख, स्वास्थ्य और अच्छे संस्कारों की प्राप्ति होती है। वहीं कपूर और चंदन जैसी पूजा सामग्री का दान मानसिक शांति, सुख और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को वस्त्र, जल और उपयोगी वस्तुओं का दान सबसे बड़ा मानव धर्म माना गया है।

कूलर की गलत दिशा बढ़ा सकती है आर्थिक परेशानियां

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी में राहत देने वाला कूलर वास्तु शास्त्र में भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि कूलर जल और वायु तत्व का प्रतीक होता है, इसलिए इसकी सही दिशा घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित करती है। वास्तु के अनुसार उत्तर–पश्चिम (वायव्य) दिशा कूलर रखने के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और तरक्की के अवसर बढ़ते हैं। उत्तर दिशा भी शुभ मानी गई है, क्योंकि इसका संबंध धन के देवता कुबेर और जल तत्व से माना जाता है। इस दिशा में कूलर रखने से आर्थिक स्थिरता बनी रहने की मान्यता है। यदि ये दोनों दिशाएं उपलब्ध न हों तो पूर्व दिशा में भी कूलर रखा जा सकता है। इससे स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिलता है। वास्तु विशेषज्ञ दक्षिण–पूर्व दिशा में कूलर रखने से बचने की सलाह देते हैं। यह अग्नि तत्व की दिशा मानी जाती है, जहां जल तत्व रखने से ऊर्जा असंतुलन, तनाव और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। साथ ही कूलर की नियमित सफाई और पानी बदलना भी जरूरी माना गया है। गंदा और रुका हुआ पानी नकारात्मकता का कारण बन सकता है।

रविवार को जन्मे लोग, नेतृत्व क्षमता से बनाते अलग पहचान

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को जन्मे लोगों को ज्योतिष में विशेष माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन के स्वामी सूर्य देव हैं, इसलिए इस दिन जन्म लेने वाले लोगों के व्यक्तित्व में सूर्य जैसी चमक, आत्मविश्व ास और नेतृत्व क्षमता देखने को मिलती है। ये लोग जहां भी रहते हैं, अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहते हैं।

ऐसे लोगों का सबसे बड़ा गुण उनका मजबूत आत्मविश्वास होता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी वे हार मानने के बजाय समाधान खोजने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि लोग उनकी बातों और निर्णयों को गंभीरता से लेते हैं। उनमें नेतृत्व करने की स्वाभाविक क्षमता होती है, जिसके

चलते वे टीम, संगठन या समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रविवार को जन्मे लोग स्वाभिमानी होते हैं और अपने सम्मान के साथ समझौता करना पसंद नहीं करते। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें हासिल करने के लिए मेहनत करने से पीछे नहीं हटते। राजनीति, प्रशासन, प्रबंधन, व्यवसाय और नेतृत्व से जुड़े क्षेत्रों में ये लोग अक्सर सफलता प्राप्त करते हैं। स्वतंत्र रूप से काम करना इन्हें अधिक पसंद होता है और दूसरों के निर्देशों पर लंबे समय तक काम करना इनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इनका व्यक्तित्व आकर्षक और प्रभावशाली होता है।

साफ और स्पष्ट बोलना इनकी आदत होती है। वे बातों को घुमाने–फिराने के बजाय सीधे शब्दों में अपनी राय रखते हैं। यही स्पष्टवादिता कई बार लोगों को पसंद आती है, तो कभी–कभी विवाद का कारण भी बन जाती है।

हालांकि इनकी कुछ कमजोरियां भी होती हैं। अत्यधिक स्वाभिमान कभी–कभी अहंकार के रूप में दिखाई देने लगता है, जिससे रिश्तों में दूरी पैदा हो सकती है। इसके अलावा इनमें जिद का गुण भी देखा जाता है। एक बार कोई निर्णय ले लेने के बाद ये अपनी बात पर अड़े रह सकते हैं, भले ही परिस्थितियां बदल चुकी हों। तीसरी कमजोरी इनका जल्द गुस्सा होना माना जाता है। हालांकि इनका क्रोध अधिक समय तक नहीं रहता, लेकिन आवेश में लिया गया निर्णय नुकसान पहुंचा सकता है। यदि ये लोग अपने गुस्से, जिद और अहंकार पर नियंत्रण रखना सीख लें, तो जीवन में और अधिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कुल मिलाकर रविवार को जन्मे लोग ऊर्जा, नेतृत्व और आत्मविश्वास के प्रतीक माने जाते हैं, जो अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर भीड़ में अलग पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं।

सम्पादकीय

जब एल्गोरिदम बने कवि दर्शक रह जाए अकेला

आजकल मनोरंजन की दुनिया में एक नया देवता अवतरित हुआ है–एआइ। इसकी खासियत यह है कि यह न कभी थकता है, न रॉयल्टी मांगता है और न ही किसी लेखक की तरह समाज, संस्कृति या संवेदनाओं पर लंबा भाषण देता है। इसे बस डेटा चाहिए और फिर यह मिनटों में कहानी, कविता, फिल्म, गीत और यहां तक कि भावनाएं भी तैयार कर देता है। कमाल यह है कि भावनाएं पैदा करने वाली मशीन खुद कोई भावना महसूस नहीं करती।

पवन गौतम
संपादक

कभी साहित्यकार समाज का आईना कहलाते थे। तुलसीदास, कबीर, प्रेमचंद और निराला जैसे रचनाकार मनुष्य के दुख–सुख को शब्द देते थे। आज उनकी जगह धीरे–धीरे एल्गोरिदम ले रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले रचनाकार समाज को समझने की कोशिश करता था, अब एल्गोरिदम यूजर को स्क्रीन पर रोके रखने की कोशिश करता है। पहले लक्ष्य विचार पैदा करना था, अब लक्ष्य 'वॉच टाइम' बढ़ाना है।

विडंबना यह है कि दर्शक भी इस बदलाव का आनंद ले रहा है। वह एक वीडियो से दूसरे वीडियो तक ऐसे फिसलता है जैसे किसी अंतहीन सुरंग में प्रवेश कर गया हो। घंटों बीत जाते हैं, लेकिन अंत में हासिल क्या होता है? कुछ सेकंड की हंसी, कुछ मिनट का रोमांच और फिर वही खालीपन। यह ऐसा मनोरंजन है जो पेट भरने का भ्रम देता है, लेकिन दिमाग और आत्मा को भूखा छोड़ देता है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

तकनीक बुरी नहीं है। एआइ भी एक उपयोगी साधन है। समस्या तब शुरू होती है जब साधन ही उद्देश्य बन जाता है। यदि कला का मूल्य केवल क्लिक, लाइक और व्यूज से तय होगा, तो विचार, विमर्श और संवेदना स्वाभाविक रूप से हाशिए पर चले जाएंगे। मशीनें चित्र बना सकती हैं, संवाद लिख सकती हैं, आवाजें गढ़ सकती हैं, लेकिन जीवन के अनुभव नहीं जी सकतीं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मनोरंजन अब सामूहिक अनुभव नहीं रह जाएगा। कभी लोग एक कहानी पर चर्चा करते थे, एक नाटक पर बहस करते थे, एक कविता पर विचार करते थे। अब हर व्यक्ति अपने–अपने मोबाइल में कैद है। उसका आनंद निजी है, उसका संसार निजी है और उसका अकेलापन भी निजी है। कहीं ऐसा न हो कि भविष्य में मशीनें कहानियां लिखती रहें और मनुष्य कहानी का पात्र बनकर रह जाए। तब शायद सचमुच कविता से ज्यादा कीमत एल्गोरिदम की होगी, और असली बात छिपाकर रखना ही सबसे बड़ी कला कहलाएगी।

नजरिया

ईरान का बूढ़ा शिकारी फिर बना अमेरिकी के लिए चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

मध्य–पूर्व की राजनीति और युद्धक रणनीतियों में अक्सर ऐसे मोड़ आते हैं जो दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। हाल के दिनों में ईरान द्वारा अपने पुराने लेकिन चर्चित एफ–14 टॉमकैट लड़ाकू विमानों को फिर से चर्चा में लाना ऐसा ही एक घटनाक्रम है। लगभग पांच दशक पुराने इस विमान को लेकर जिस प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं, उसने सैन्य विशेषज्ञों, रणनीतिक विश्लेषकों और आम लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में यह "बूढ़ा शिकारी" आज भी अमेरिका जैसी महाशक्ति के लिए चुनौती बन सकता है या यह केवल मनोवैज्ञानिक युद्ध का हिस्सा है?

एफ–14 टॉमकैट का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। 1970 के दशक में अमेरिका ने इसे अपनी नौसेना के लिए विकसित किया था। उस समय शीत युद्ध अपने चरम पर था और सोवियत संघ की बढ़ती सैन्य ताकत को देखते हुए अमेरिका को ऐसे लड़ाकू विमान की आवश्यकता थी जो लंबी दूरी से दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को पहचानकर उन्हें नष्ट कर सके। एफ–14 इसी सोच का परिणाम था। यह अपने समय का अत्याधुनिक विमान माना जाता था और इसकी रडार क्षमता तथा लंबी दूरी की मिसाइलें इसे बेहद खतरनाक बनाती थीं।

विडंबना यह है कि जिस विमान को अमेरिका ने अपनी सुरक्षा के लिए बनाया था, वही आज ईरान की वायुसेना की पहचान बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले ईरान और अमेरिका के संबंध अच्छे थे। उस दौर में ईरान के शाह ने अमेरिका से दर्जनों एफ–14 विमान खरीदे थे। लेकिन क्रांति के बाद दोनों देशों के रिश्ते खराब हो गए और अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए। तब अधिकांश विशेषज्ञों का मानना था कि स्पेयर पार्ट्स और तकनीकी सहायता के अभाव में ये विमान कुछ वर्षों में बेकार हो जाएंगे। हालांकि ईरान ने इस अनुमान को गलत साबित कर दिया। वर्षों तक प्रतिबंधों के बीच उसने अपने इंजीनियरों और तकनीशियनों की मदद से इन विमानों को उड़ाने योग्य बनाए रखा। यही कारण है कि आज दुनिया में ईरान ही ऐसा देश है जिसके पास सक्रिय एफ–14 विमान मौजूद हैं। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और संसाधनों के कुशल उपयोग का उदाहरण भी माना जाता है।

लेकिन क्या यह विमान आधुनिक युद्ध में निर्णायक भूमिका निभा सकता है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सरल नहीं है। आज का युद्ध 1970 के दशक के युद्ध से पूरी तरह अलग है। आधुनिक लड़ाकू विमान स्टील्थ तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेंसर, नेटवर्क–केंद्रित युद्ध प्रणाली और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों से लैस हैं। अमेरिका के एफ–22 रैप्टर और एफ–35 जैसे विमान तकनीकी रूप से एफ–14 से कई पीढ़ियां आगे हैं। ऐसे में केवल पुराने गौरव के आधार पर किसी विमान को युद्ध का निर्णायक हथियार नहीं माना जा सकता।

फिर भी एफ–14 की उपयोगिता को पूरी तरह खारिज करना भी उचित नहीं होगा। ईरान ने इन विमानों में समय–समय पर कई स्थानीय सुधार किए हैं। माना जाता है कि उसने अपने रडार, संचार प्रणाली और हथियारों को आधुनिक बनाने का प्रयास किया है। यदि यह सच है तो ये विमान क्षेत्रीय संघर्षों में सीमित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों में जहां ईरान को अपनी वायु सीमा की निगरानी करनी हो या दुश्मन के विमानों पर दबाव बनाना हो।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू मनोवैज्ञानिक युद्ध भी है। युद्ध केवल हथियारों से नहीं लड़ा जाता, बल्कि संदेशों और प्रतीकों से भी लड़ा जाता है। जब ईरान दुनिया को दिखाता है कि उसका 50 वर्ष पुराना लड़ाकू विमान आज भी उड़ान भर रहा है, तो वह अपने विरोधियों को यह संदेश देता है कि प्रतिबंधों और दबावों के बावजूद उसकी सैन्य क्षमता समाप्त नहीं हुई है। यह संदेश उसके समर्थकों का मनोबल बढ़ाने और विरोधियों को सावधान करने का काम करता है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नया विषय नहीं है। दोनों देशों के संबंध दशकों से अविश्वास और टकराव से भरे रहे हैं। ऐसे माहौल में किसी भी सैन्य उपकरण का प्रदर्शन केवल तकनीकी घटना नहीं बल्कि राजनीतिक संकेत भी होता है। एफ–14 की वापसी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल एक विमान की कहानी नहीं बल्कि उस राष्ट्र की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी सैन्य पहचान बनाए रखने का प्रयास किया।

हालांकि किसी भी सैन्य शक्ति का वास्तविक मूल्यांकन युद्धक्षेत्र में ही होता है। प्रचार और वास्तविक क्षमता के बीच अंतर अक्सर संघर्ष के समय स्पष्ट हो जाता है। इसलिए यह मान लेना कि एफ–14 अकेले अमेरिका की आधुनिक सैन्य शक्ति को चुनौती दे सकता है, अतिशयोक्ति होगी। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी युद्ध में तकनीक के साथ–साथ रणनीति, मनोबल और परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अंततः एफ–14 टॉमकैट आज केवल एक लड़ाकू विमान नहीं बल्कि इतिहास, तकनीकी जिद और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। यह विमान हमें याद दिलाता है कि कभी–कभी पुराने हथियार भी नई कहानियां लिख सकते हैं। चाहे वह युद्ध का रुख बदल पाए या नहीं, लेकिन उसने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अपनी ओर जरूर खींच लिया है। मध्य–पूर्व की जटिल राजनीति में यह "बूढ़ा शिकारी" फिलहाल एक ऐसे संदेशवाहक की भूमिका निभा रहा है जो बता रहा है कि शक्ति केवल आधुनिकता में नहीं, बल्कि उसे लंबे समय तक जीवित रखने की क्षमता में भी छिपी होती है।

विचार विण्डो

घूंघट की ओट में कब तक छिपेगा समाज

राम कुमार शर्मा

घूंघट भारतीय समाज का ऐसा प्रतीक है, जिसके पक्ष और विपक्ष में दशकों से बहस चलती रही है। किसी के लिए यह परंपरा है, किसी के लिए सम्मान का प्रतीक, तो किसी के लिए महिलाओं की स्वतंत्रता पर लगाया गया एक अदृश्य ताला। समय बदलता गया, समाज बदला, शिक्षा का विस्तार हुआ, महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई, लेकिन घूंघट को लेकर सोच का एक बड़ा हिस्सा आज भी मध्यकालीन मानसिकता में अटका हुआ दिखाई देता है। प्रश्न यह नहीं है कि कोई महिला अपनी इच्छा से सिर ढकती है या नहीं, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या किसी सामाजिक दबाव, प्रतिष्ठा या संस्कार के नाम पर उससे ऐसा करने की अपेक्षा की जानी चाहिए?

घूंघट का इतिहास समझना जरूरी है। भारतीय परंपरा के शुरुआती ग्रंथों में घूंघट का उल्लेख उस रूप में नहीं मिलता, जैसा बाद के दौर में देखने को मिलता है। इतिहासकार मानते हैं कि मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों, असुरक्षा और सामंती व्यवस्था के प्रभाव के कारण महिलाओं को पर्दे में रखने की प्रथा मजबूत हुई। धीरे–धीरे यह सुरक्षा का उपाय न रहकर सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना दी गई। उच्च वर्गों ने इसे अपनाया, फिर यह सम्मान और संस्कार के नाम पर समाज के अन्य वर्गों में भी फैल गई। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था असाधारण परिस्थितियों में सुरक्षा के लिए बनाई गई थी, उसे बाद में आदर्श आचरण का दर्जा दे दिया गया। समय बदला, परिस्थितियां बदलीं, लेकिन प्रथा को बनाए रखने के लिए नए–नए तर्क गढ़े गए। कभी इसे मर्यादा कहा गया, कभी संस्कृति और कभी परिवार की इज्जत।

जरा सोचिए, सम्मान का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या सम्मान का मतलब किसी से अपना चेहरा छिपाना है? क्या किसी बुजुर्ग के प्रति आदर दिखाने का एकमात्र तरीका घूंघट करना है? यदि ऐसा होता तो पुरुषों को भी अपने पिता, दादा या परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के सामने चेहरा ढकना पड़ता। सम्मान मन की भावना है, चेहरे पर डाला गया कपड़ा नहीं। आदर व्यवहार में दिखता है, शब्दों में झलकता है और संस्कारों में महसूस होता है, न कि घूंघट की लंबाई में।

समाज की एक दिलचस्प प्रवृत्ति है कि वह कई बार परंपरा और विवेक के बीच फर्क करना भूल जाता है।

हर पुरानी चीज महान नहीं होती और हर नई बात गलत नहीं होती। यदि केवल पुराना होना किसी प्रथा को सही साबित कर देता, तो

समाज कभी आगे नहीं बढ़ता। कभी बाल विवाह भी परंपरा थे, सती प्रथा भी सामाजिक स्वीकृति रखती थी और अस्पृश्यता को भी धार्मिक तर्कों का सहारा दिया जाता था। लेकिन समय के साथ समाज ने इन कुरीतियों को चुनौती दी और बदला। घूंघट के समर्थक अक्सर कहते हैं कि यह महिला की पसंद है। यदि वास्तव में यह पूरी तरह उसकी स्वतंत्र पसंद है तो किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लेकिन सवाल तब उठता है जब यह पसंद नहीं, बल्कि अपेक्षा बन जाती है। जब बहू के घर में प्रवेश करते ही उसे बताया जाता है कि अमुक व्यक्ति के सामने घूंघट करना है, अमुक अवसर पर चेहरा ढकना है और ऐसा न करने पर उसे संस्कारहीन समझा जाएगा, तब यह व्यक्तिगत चयन नहीं रह जाता। यह सामाजिक दबाव बन जाता है।

आज महिलाएं अंतरिक्ष में जा रही हैं, लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, बड़े उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं, अदालतों में न्याय दे रही हैं और विज्ञान की नई उंचाइयों को छू रही हैं। ऐसे समय में यदि किसी महिला की योग्यता का मूल्यांकन उसके घूंघट से किया जाए, तो यह समाज की सोच पर प्रश्नचिन्ह है। आधुनिकता का अर्थ परंपराओं को नष्ट करना नहीं, बल्कि उन्हें तर्क और समय की कसौटी पर परखना है।

यह भी सच है कि ग्रामीण भारत और कई पारंपरिक समुदायों में घूंघट आज भी सामाजिक पहचान का हिस्सा है। बदलाव किसी आदेश से नहीं आता। वह संवाद, शिक्षा और जागरूकता से आता है। इसलिए घूंघट करने वाली महिलाओं का उपहास उड़ाना भी उतना ही गलत है जितना उन्हें घूंघट के लिए मजबूर करना। उद्देश्य किसी व्यक्ति की आलोचना नहीं, बल्कि उस सोच पर सवाल उठाना होना चाहिए जो महिलाओं की स्वतंत्रता को परंपरा के नाम पर सीमित करती है।

व्यंग्य यह है कि जिस समाज में मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों को खुले दिल से स्वीकार कर लिया गया, वहीं महिलाओं की स्वतंत्र पहचान को लेकर अब भी संकोच बना हुआ है। घर में ऑनलाइन बैंकिंग चलेगी, डिजिटल भुगतान होगा, विदेशी शिक्षा का स्वागत होगा, लेकिन बहू का चेहरा दिखाई दे जाए तो संस्कार खतरे में पड़ जाएंगे। यह विरोधाभास हमारे सामाजिक चिंतन की सबसे बड़ी कमजोरी है।

असल में घूंघट का सवाल कपड़े का नहीं, मानसिकता का है। यदि कोई महिला अपनी आस्था, सुविधा या व्यक्तिगत पसंद से सिर ढकती है तो वह उसका अधिकार है। लेकिन यदि उसे सामाजिक प्रतिष्ठा, पारिवारिक दबाव या कथित सम्मान के नाम पर ऐसा करना पड़े, तो यह स्वतंत्रता नहीं बल्कि परंपरा के नाम पर थोपी गई बाध्यता है।

समाज तब परिपक्व कहलाता है जब वह व्यक्ति को उसकी सोच, क्षमता और चरित्र से पहचानता है, न कि उसके पहनावे से। घूंघट को सम्मान, संस्कार और इज्जत का पर्याय बनाना महिलाओं की भूमिका को सीमित करने वाली सामंती सोच का विस्तार है। नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि सम्मान छिपाने से नहीं, समानता देने से मिलता है। चेहरे पर पड़ा घूंघट हटाना जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी है मन और समाज पर पड़े पूर्वाग्रहों का घूंघट हटाना।

क्योंकि आखिरकार प्रगति का रास्ता चेहरे ढकने से नहीं, नजरें मिलाने से बनता है।

37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

वनडे क्रिकेट में रोहित शर्मा की ऐतिहासिक उपलब्धि

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले जा रहे पहले वनडे मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। मैदान पर उतरते ही रोहित भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। 39 साल और 44 दिन की उम्र में उन्होंने 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर भारतीय क्रिकेट इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज फारुख इंजीनियर के नाम था। उन्होंने 1989 में 38 साल और 270 दिन की उम्र में

भारत के लिए अपना आखिरी वनडे मैच खेला था। अब रोहित शर्मा ने इस उपलब्धि को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। रोहित के लिए यह मुकाबला केवल रिकॉर्ड बनाने का अवसर नहीं था, बल्कि उनकी फिटनेस की भी बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। आईपीएल 2026 के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव की

भारत के सबसे उम्रदराज वनडे खिलाड़ी

समस्या के कारण वह कुछ मैचों से बाहर रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ यह सीरीज उनकी वापसी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। क्रिकेट प्रशंसकों और टीम प्रबंधन की निगाहें उनके प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं। रोहित शर्मा लंबे समय से भारतीय क्रिकेट की सबसे मजबूत कड़ियों में से एक रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने कई यादगार जीत दर्ज की हैं और विश्व क्रिकेट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। एक बल्लेबाज और कप्तान के रूप में उनका योगदान भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है। 39 वर्ष की उम्र में भी रोहित का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रहना उनकी फिटनेस, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी और शानदार यात्रा का प्रतीक है।

रोहित शर्मा की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है और यह साबित करती है कि अनुभव, मेहनत और जुनून के दम पर उम्र कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनती।

पहली पुण्यतिथि पर छलका करिश्मा कपूर का दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने पूर्व पति संजय कपूर की पहली पुण्यतिथि पर एक भावुक पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। करिश्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "संजय, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे", साथ ही 12 जून 2025 की उस तारीख का जिक्र किया, जब उनके बच्चों समायरा और किआन ने अपने पिता को खो दिया था। पोस्ट में उन्होंने रेड हार्ट और फोल्डेड हैंड इमोजी के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

गौरतलब है कि उद्योगपति और सोना कॉमस्टार के चेयरमैन संजय कपूर का 12 जून 2025 को इंग्लैंड में पोलो मैच के दौरान निधन हो गया था। बताया गया था कि खेल के दौरान उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद 53 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। करिश्मा की यह पोस्ट ऐसे समय सामने आई है, जब संजय कपूर की कथित 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर परिवार में कानूनी विवाद जारी है। इस मामले में उनके बच्चे समायरा-किआन, तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर, मां रानी कपूर और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं।

वहीं, प्रिया सचदेव ने भी सोशल मीडिया पर संजय कपूर को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि संजय का प्यार, ऊर्जा और जीवन के प्रति उनका नजरिया हमेशा परिवार और करीबियों को प्रेरित करता रहेगा। करिश्मा और संजय की शादी 2003 में हुई थी, लेकिन 2016 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बावजूद संजय के निधन के बाद करिश्मा अपने बच्चों के साथ उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुई थीं।

टीम इंडिया के पेसर आकाश बनेंगे दूल्हा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप जल्द ही जीवन की नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। बिहार के रोहतास जिले के बड्डी गांव में उनकी शादी को लेकर उत्साह का माहौल है। आकाश दीप 24 जून को अक्षिता राज के साथ वाराणसी के एक फाइव स्टार होटल में सात फेरे लेंगे। शादी से पहले सभी पारंपरिक रस्में उनके पैतृक गांव में आयोजित की जाएंगी। 21 जून को तिलक, 22 जून को मेहंदी और 23 जून को हल्दी समारोह होगा, जिसमें परिवार, रिश्तेदार और ग्रामीण शामिल होंगे। आकाश दीप की होने वाली पत्नी अक्षिता राज डेहरी के मानिकपुर गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने बीआईटी मेसरा से बीसीए और एमसीए की पढ़ाई पूरी की है। दोनों परिवारों की सहमति से यह पारंपरिक अरेंज मैरिज तय हुई है। क्रिकेट करियर की बात करें तो आकाश दीप भारत के लिए 10 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और 28 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वह आईपीएल में आरसीबी, केकेआर और एलएसजी का भी हिस्सा रह चुके हैं।

बिरयानी विवाद में फंसे अभिनेता प्रणित मोरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुग्राम में स्टैंड-अप शो के दौरान हुए '370 रुपये की बिरयानी' विवाद ने कॉमेडियन प्रणित मोरे की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग का सामना कर रहे प्रणित को अब राष्ट्रीय महिला आयोग की कार्रवाई का भी सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने इस मामले में हरियाणा के डीजीपी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और प्रणित मोरे व विवादित टिप्पणी करने वाले हिमांशु जांगड़ा को 22 जून को पेश होने के लिए कहा है।

370 रुपये की बिरयानी ने बढ़ाई मुश्किलें

विवाद बढ़ने के बीच प्रणित मोरे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने बताया कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट भी सस्पेंड कर दिया गया था।

वीडियो में प्रणित ने कहा, "मैं इसी नफरत का हकदार था, क्योंकि मैंने उस वक्त उस व्यक्ति को ऐसी बातें कहने से नहीं रोका।" उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दर्शकों से एक मौका देने की अपील की और भरोसा दिलाया कि वह भविष्य में बेहतर इंसान बनने की कोशिश करेंगे। प्रणित की इस माफी के बाद भी सोशल मीडिया पर बहस और प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है।

गिल-अय्यर की नजरें 3000 रन के मील के पत्थर पर

यूनक समय, नइ दल्ला। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से धर्मशाला के स्टेडियम में होने जा रहा है। इस मुकाबले में कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के पास एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, दोनों बल्लेबाज वनडे क्रिकेट में 3000 रन पूरे करने के बेहद करीब हैं। गिल ने अब तक 61 पारियों में 2953 रन बनाए हैं और उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सिर्फ 47 रन चाहिए। वहीं, अय्यर ने 70 पारियों में 2977 रन बनाए हैं और उन्हें केवल 23 रन की जरूरत है। भारत के लिए सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने का

तोड़ सकते हैं शिखर धवन का रिकॉर्ड

रिकॉर्ड फिलहाल शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में गिल और अय्यर दोनों के पास धवन का रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार अवसर है। गिल इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया टेस्ट मैच में शतक जड़ा था। वहीं, आईपीएल 2026 में करीब 500 रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर भी दमदार लय में नजर आए थे।

हालांकि, सीरीज से पहले भारत को दो बड़े झटके लगे हैं। विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट और हार्दिक पांड्या इंजरी के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं। ऐसे में गिल और अय्यर पर टीम की बल्लेबाजी की बड़ी जिम्मेदारी होगी, साथ ही इतिहास रचने का मौका भी।

प्राइम वीडियो पर कंटेंट की बहार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप इस वीकेंड कुछ नया देखने की तलाश में हैं, तो प्राइम वीडियो आपके लिए मनोरंजन का पूरा पैकेज लेकर आया है। अली फजल की बहुप्रतीक्षित प्राइम-थ्रिलर 'राख' से पहले प्लेटफॉर्म पर 'करुप्पु', 'माइकल' और ऐवरी ईयर समेत चार दमदार टाइटल रिलीज हो चुके हैं। एक भावनात्मक रोमांटिक ड्रामा है, जो बचपन के दोस्तों की प्रेम कहानी को खूबसूरती से दिखाती है। वहीं, 'राख' 1978 के चर्चित अपहरण कांड से प्रेरित एक सस्पेंस-भरी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है। दूसरी ओर, सूर्या की ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्म 'करुप्पु' अब ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है और दर्शकों का ध्यान खींच रही है। इसके अलावा 'माइकल', जो पॉप आइकन माइकल जैक्सन की जिंदगी पर आधारित है, प्राइम वीडियो पर यूएचडी क्वालिटी में उपलब्ध है। रोमांस, एक्शन और थ्रिलर पसंद करने वालों के लिए यह वीकेंड खास रहने वाला है।

बिग बी का जुनून, 83 की उम्र को दी मात

एक दिन में बारह शूट, दो फोटोशूट

अनुशासन से रच रहे नई मिसाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उम्र केवल एक संख्या है। 83 वर्ष की उम्र में भी बिग बी जिस ऊर्जा, अनुशासन और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं, वह करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग में ऐसा खुलासा किया, जिसने उनके प्रशंसकों को हैरान कर दिया। अमिताभ बच्चन ने बताया कि उन्होंने एक ही दिन में 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने दो बड़े फोटोशूट भी किए और दिनभर की व्यस्तता के बावजूद अपने प्रशंसकों से जुड़ाव बनाए रखने के लिए ब्लॉग लिखना नहीं छोड़ा। बिग बी का यह कार्यशैली उनके प्रोफेशनलिज्म और काम के प्रति जुनून को दर्शाती है।

अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, "काम तो काम है", और इसे किसी भी परिस्थिति में रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि लगातार तैयारी, मेहनत और चुनौतियों के साथ तालमेल बिठाने की क्षमता ही सफलता की असली कुंजी है। अमिताभ का मानना है कि कलाकार की जिम्मेदारी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं होती, बल्कि अपने प्रशंसकों से जुड़े रहना भी उतना ही जरूरी है।

चार दशक से अधिक समय से भारतीय सिनेमा के शीर्ष सितारों में शामिल अमिताभ बच्चन आज भी नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए मिसाल बने हुए हैं। उनकी कार्यक्षमता और समर्पण यह दिखाता है कि सफलता के लिए उम्र नहीं, बल्कि जुनून और मेहनत मायने रखती है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन इन दिनों काल्की 2898 एडी की शूटिंग में व्यस्त हैं। निर्देशक नाग अश्विन की इस बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म में उनके साथ प्रभास और कमल हासन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खबरों के अनुसार, फिल्म में अमिताभ बच्चन और कमल हासन के बीच एक शानदार एक्शन सीक्वेंस भी देखने को मिलेगा। अमिताभ बच्चन की मेहनत और समर्पण एक बार फिर यह साबित करते हैं कि जुनून के आगे उम्र कभी बाधा नहीं बनती।

सुनीता आहूजा का वायरल वीडियो चर्चा में

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा का मजेदार बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने पालतू कुत्ते के प्रति प्यार जताती नजर आ रही हैं। वीडियो में सुनीता अपने पेट डॉग को "राजा बेटा" और "जिगर का टुकड़ा" कहकर परिचय कराती हैं। इसके बाद उन्होंने हंसते हुए ऐसा बयान दिया, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

सुनीता ने मजा किया अंदाज में कहा, "सारी प्रॉपर्टी इसी के नाम पर करके जाऊंगी।" उनका यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स इस पर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सुनीता आहूजा अक्सर अपनी बेबाक बातों और मजेदार अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं। वह कई इंटरव्यू और सोशल मीडिया वीडियो में खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं।

गौरतलब है कि गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं-टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा। फिलहाल सुनीता का यह वीडियो इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

राम मंदिर के दानपात्र से कथित गबन का मामला

रुदौली से 12 लाख रुपये बरामद

आरोपी कर्मी पर गबन के आरोप

पुलिस और जांच एजेंसियां ने की जांच

यूनिक समय, अयोध्या/लखनऊ। राम मंदिर के दानपात्र से कथित गबन मामले में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में बड़ी कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान लगभग 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस और राम मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई।

आरोपी लवकुश मिश्रा (27) राम मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत था और उस पर दान की राशि के गबन का आरोप है। पुलिस अब बरामद नकदी के स्रोत और उसके उपयोग की गहन जांच कर रही है।

आरोपी के पिता बच्चूलाल ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके बेटे को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ट्रस्ट से जुड़े कुछ लोग उनके घर आए थे और नकदी अपने साथ ले गए।

ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री का काम करता था और मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति में अचानक बदलाव आया। वह गांव में बड़े खर्च करता था, जिससे लोगों में चर्चा का माहौल बना।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ राशि गांव के एक स्थान पर छिपाई गई थी, जिसे बाद में बरामद किया गया। हालांकि प्रशासन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पुलिस और जांच एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं और जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है।

नृपेंद्र मिश्रा ने चढ़ावा विवाद से दूरी बनाई

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने चढ़ावे में कथित गड़बड़ी से जुड़े सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी तरह की जांच या वित्तीय मामले से दूरी बना ली है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनका कार्यक्षेत्र केवल मंदिर निर्माण और उससे जुड़े विकास कार्यों तक सीमित है। मिश्रा ने कहा कि वे अयोध्या में आयोजित बैठक में केवल निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आए थे और दान, चढ़ावा या वित्तीय लेन–देन से जुड़े मामलों पर उनकी कोई भूमिका नहीं है। जब उनसे चढ़ावे में कथित चोरी और जांच को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला पहुंचा हाईकोर्ट

सीबीआई जांच कराने की मांग

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे से कथित चोरी का मामला अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच तक पहुंच गया है। लखनऊ निवासी अधिवक्ता मोहित अशोक ने जनहित याचिका दाखिल कर पूरे मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से विशेष ऑडिट की मांग की है। याचिका में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, सीबीआई, कैग और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।मामले पर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना जताई जा रही है। याचिका में आवश्यक होने पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है। इस बीच, भाजपा और अन्य दलों के नेताओं ने भी ट्रस्ट के वित्तीय लेन–देन की पारदर्शिता की मांग उठाई है। कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर समर्पण निधि, दान–पात्र, ऑनलाइन दान और बैंक खातों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है।

वहीं, कुछ पूर्व पदाधिकारियों और नेताओं ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि ट्रस्ट ने सभी आरोपों को खारिज किया है। मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर तूल पकड़ चुका है।

ट्रस्ट ने सीएम योगी से एसआईटी गठित करके जांच कराने की मांग की

यूनिक समय, अयोध्या। यूपी के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में दान राशि के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले में ट्रस्ट ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। ट्रस्ट ने अब सीएम योगी से एसआईटी गठित करके जांच करवाने की मांग की है।

सहारनपुर सड़क हादसे में एक परिवार के चार की मौत

ससुराल से लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर

यूनिक समय, सहारनपुर। जिले के कोठड़ी–धौलाकुआं मार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब परिवार ससुराल से लौटकर अपने गांव जा रहा था। अचानक पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी 28 वर्षीय लविश, उनकी 5 वर्षीय पुत्री रूही, 24 वर्षीय संजना और 50 वर्षीय राजदुलारी की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और बचने का कोई मौका नहीं मिला। जानकारी के अनुसार लविश शुक्रवार को अपने परिवार के साथ ससुराल कोठड़ी गया था और शनिवार दोपहर को वापस लौट रहा था। रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और स्थानीय पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को संभाला।

परिवार पर एक साथ चार सदस्यों की मौत से गांव मलकपुर में कोहराम मच गया है। लविश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और उसकी शादी 2022 में हुई थी। हादसे में उसकी मासूम बेटी की भी मौत हो गई, जिससे परिवार पूरी तरह टूट गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रयागराज में सपा नेता का पोस्टर विवाद हुआ वायरल

सपा कार्यालय के बाहर लगाया गया पोस्टर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, प्रयागराज। सपा कार्यालय के बाहर लगाए गए एक विवादित पोस्टर ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। यह पोस्टर समाजवादी छात्र सभा के जिला महासचिव सद्दाम अंसारी की ओर से लगाया गया बताया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निशाने पर लिया गया है।

पोस्टर में नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले का जिक्र करते हुए सरकार की शिक्षा नीति पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि छात्रों और बेरोजगार युवाओं का भविष्य खतरे में है और परीक्षा प्रणाली प्रभावित हो रही है। पोस्टर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का फोटो भी लगाया गया है, जिसके साथ तीखी टिप्पणी की गई है। इस पोस्टर को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है और यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

भाजपा नेताओं ने इसे आपत्तिजनक बताते हुए विरोध जताया है, वहीं सपा पक्ष की ओर से इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मामला बताया जा रहा है। फिलहाल पोस्टर को लेकर क्षेत्र में चर्चा और राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

जौनपुर जेल में गमछे ले जाने पर लगा प्रतिबंध

सुरक्षा कारणों से लिया गया सख्त फैसला

अब बंदी केवल तौलिया कर सकेंगे इस्तेमाल

यूनिक समय, जौनपुर। जिला कारागार में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जेल प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब जेल परिसर के भीतर गमछा ले जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। यह नियम बंदियों, कैदियों और उनसे मिलने आने वाले मुलाकातियों सभी पर लागू होगा।

जेल प्रशासन के अनुसार गमछा सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माना जा रहा था, क्योंकि इसका उपयोग आत्महत्या जैसी घटनाओं या प्रतिबंधित वस्तुओं को छिपाने में किया जा सकता था। इसी कारण इसके स्थान पर अब केवल तौलिये के उपयोग की अनुमति दी गई है। प्रशासन ने बताया कि जेल की कैंटीन में तौलिए उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि बंदियों की व्यक्तिगत स्वच्छता प्रभावित न हो। साथ ही तौलिया कम लचीला होने के कारण सुरक्षा के लिहाज से अधिक सुरक्षित माना जा रहा है। जेल अधीक्षक ने कहा कि यह निर्णय बंदियों की सुरक्षा और जेल की आंतरिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए लगातार नए कदम उठाए जाएंगे।

यूपी में प्री–मानसून आंधी बारिश से तबाही

25 शहरों में तेज बारिश आंधी का असर

हादसों में पांच लोगों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्री–मानसून ने जोर पकड़ लिया है और शनिवार को 25 से अधिक शहरों में आंधी–बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, अयोध्या और उन्नाव सहित कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तेज तूफान आने से होर्डिंग्स उड़ गईं, जबकि प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज परिसर में पानी भर गया। हाथरस और कानपुर में कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती और बलिया में भी करीब एक घंटे तक बारिश हुई। आंधी और बारिश से जुड़े हादसों में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। उन्नाव और गाजीपुर में बिजली गिरने से दो किसानों की जान गई, जबकि कासगंज में मकान का लेंटर गिरने से पति–पत्नी और बेटी की मौत हो गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 54 जिलों में बारिश और 22 शहरों में आंधी–तूफान का अलर्ट जारी किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अगले कुछ दिनों तक मौसम अस्थिर बना रहेगा।

अखिलेश यादव ने जताई शोक संवेदना आगरा में

रामजीलाल सुमन के परिवार से मिले

विजन इंडिया कार्यक्रम में होंगे शामिल

यूनिक समय, आगरा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव दो दिवसीय आगरा दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पर जाकर उनके धेवते के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर करीब 45 मिनट तक बातचीत की और दुख की घड़ी में साथ होने की बात कही।

अखिलेश यादव ने कहा कि यह क्षति बेहद दुखद है और परिवार को इस समय संबल की जरूरत है। उन्होंने मीडिया से ज्यादा बातचीत करने से परहेज किया और केवल शोक संदेश व्यक्त किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बाद में वे अन्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे। अपने दौरे के दूसरे दिन वे 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में शामिल होकर उद्यमियों और युवाओं से संवाद करेंगे।

सीएम योगी ने बेटियों पर टिप्पणी पर जताई सख्ती

अखिलेश की बेटी मामले में एफआईआर दर्ज के निर्देश

यूनिक समय, आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ में आयोजित जनसभा के दौरान बेटियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि समाज में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि है और उनके खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ कुछ लोगों द्वारा

गलत टिप्पणियां की गई थीं, जिस पर उन्होंने पुलिस को तत्काल एफआईआर

बेटी सबकी होती है, बोले सीएम योगी

दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेटी, बेटी होती है और उसके सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

अपने संबोधन में उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दूसरों को उपदेश देते हैं, उन्हें अपने समर्थकों को भी भाषा संयम का पाठ पढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और संस्कार जरूरी हैं। सीएम ने यह भी कहा कि सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और विवाह के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में कनेक्टिविटी, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में तेजी से सुधार हुआ है।

असम एयरफोर्स विमान हादसे में पांच जवानों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक एएन–32 परिवहन विमान शनिवार को असम के जोरहाट स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लैंडिंग के दौरान हुए इस हादसे में वायुसेना के पांच कर्मियों की मौत हो गई, जबकि को–पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अधिकारी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार एएन–32 कार्गो विमान नियमित सैन्य आपूर्ति मिशन से जुड़ा था और जोरहाट एयरबेस पर उतरते समय अचानक दुर्घटना का शिकार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विमान ने रनवे पर उतरने का प्रयास किया, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी अथवा अन्य कारणों से नियंत्रण बिगड़ गया और विमान क्रैश हो गया।

दुर्घटना के बाद विमान के मलबे में आग लग गई, जिसे बचाव दल ने

काफी मशक्कत के बाद नियंत्रित किया। हादसे की सूचना मिलते ही वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

दुर्घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है।

भारतीय वायुसेना ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि दुर्घटना की विस्तृत जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के गठन के आदेश दे दिए गए हैं। जांच में विमान की तकनीकी स्थिति, मौसम संबंधी परिस्थितियां और लैंडिंग के दौरान हुई संभावित त्रुटियों की पड़ताल की जाएगी।

जोरहाट एयरबेस पर हुआ हादसा

कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी से होगी जांच

एएन–32 भारतीय वायुसेना का महत्वपूर्ण परिवहन विमान माना जाता है, जिसका उपयोग सैनिकों, रसद सामग्री और आवश्यक सैन्य उपकरणों के परिवहन के लिए किया जाता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में यह विमान लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

इस दुखद हादसे ने पूरे सैन्य समुदाय को झकझोर दिया है। वायुसेना ने मृतक जवानों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। वहीं घायल को–पायलट के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अभिषेक बनर्जी के घर तड़के छापा, सियासत गरमाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर शनिवार तड़के पुलिस की कार्रवाई ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम सुबह करीब तीन बजे उनके घर पहुंची और कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाया।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों ने पहले घर के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन जवाब नहीं मिलने पर ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया। तलाशी के दौरान महिला पुलिसकर्मियों सहित बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात रहे। घर के अलग–अलग हिस्सों की जांच की गई और पुलिस करीब पांच घंटे तक परिसर में मौजूद रही।

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंचीं। बाद में अभिषेक बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस ने पूरे घर की जांच की है और घर में

सुबह पहुंची पुलिस की टीम

तलाशी से बढ़ी राजनीतिक चर्चाएं

मौजूद सभी वस्तुओं का रिकॉर्ड उपलब्ध है। हालांकि पुलिस की इस कार्रवाई के पीछे का कारण अभी तक आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि सालबोनी थाने से जुड़े अधिकारी अभियान में शामिल थे। हाल के दिनों में अभिषेक बनर्जी से एक कथित सिग्नेचर फ्रॉड मामले में सीआईडी भी लंबी पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा एक साइबर शिकायत को लेकर भी जांच एजेंसियां उनसे संपर्क कर चुकी थीं।

पालघर में युवती पर दिनदहाड़े हमला, मचा हड़कंप

सड़क पर वारदात से दहशत, सीसीटीवी फुटेज से खुलेंगे राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिले में दिनदहाड़े एक युवती पर हुए जानलेवा हमले ने इलाके में सनसनी फैला दी। सड़क पर जा रही युवती पर एक व्यक्ति ने अचानक धारदार हथियार से हमला कर दिया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो सामने आने के बाद लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, युवती अपने काम से जा रही थी तभी आरोपी पीछे से आया और उसे पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद उसने गर्दन और पीठ पर कई वार किए। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़ी रही। कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे एक स्कूटी सवार ने घायल युवती को देखा और स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस जांच में घायल युवती की पहचान स्नेहल सावंत के रूप में हुई है, जो कलेक्टर कार्यालय के राजस्व विभाग में कार्यरत बताई जा रही हैं। वहीं आरोपी की पहचान अमोल मुले के रूप में हुई है, जो सरकारी तंत्र से जुड़ा बताया जा रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दिनदहाड़े फिटनेस यूट्यूबर मसूद की हत्या

साले पर गंभीर आरोप

पारिवारिक विवाद बना हत्या की वजह

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

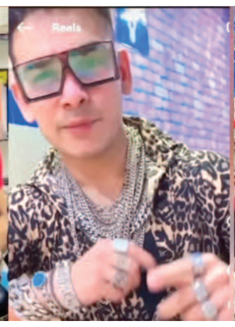

यूनिक समय, नई दिल्ली। गोलकुंडा क्षेत्र में फिटनेस यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर मसूद चांदी उर्फ शेख महबूब की उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार हमले में महबूब की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में मृतक के साले शेख सोहैल का नाम मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया है। पुलिस का कहना है कि सोहैल अपने दो साथियों अफू और जाबिर के साथ महबूब के घर पहुंचा और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में धारदार हथियार और अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक महबूब ने करीब डेढ़ वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। पारिवारिक विवाद और आपसी तनाव लंबे समय से चल रहा था। हाल ही में पत्नी और बच्चे को मायके भेजे जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच मतभेद और बढ़ गए थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि यही विवाद हत्या की वजह बन सकता है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में हत्या की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी घटना के बाद फरार हो गए, जिनकी तलाश के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह, हमले में शामिल लोगों की संख्या और घटनाक्रम की पूरी सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच जारी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का प्रयास किया जा रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे नए सेना प्रमुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। वे वर्तमान में सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं और 30 जून 2026 से पदभार ग्रहण करेंगे।

वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी उसी दिन सेवानिवृत्त होंगे। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश की थल सेना की कमान संभालेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन प्राप्त किया था। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और लगभग चार दशक के सैन्य अनुभव के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

अपने करियर में उन्होंने मरुस्थलीय क्षेत्र में रेजिमेंट, पश्चिमी मोर्चे पर ब्रिगेड और जम्मू–कश्मीर में काउंटर–इंसर्जेंसी बल का नेतृत्व किया है। उनकी नियुक्ति को सेना के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

एनडीए की लोकसभा में ताकत बढ़ाने की कोशिश

सियासी हलचल ने बढ़ाई अटकलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश की राजनीति में एक बार फिर संभावित दल–बदल और नए समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) लोकसभा में अपनी ताकत और बढ़ाने की रणनीति पर काम करता दिखाई दे रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कुछ विपक्षी दलों के सांसद भविष्य में अपना रुख बदल सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के भीतर असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। लोकसभा में पार्टी के नौ सांसद हैं और राजनीतिक विश्लेषक पार्टी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि यदि किसी प्रकार का विभाजन होता है तो कुछ सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का रुख कर सकते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद राज्य की राजनीति में तेजी से बदलाव देखने को मिले हैं। एनडीए की मजबूत स्थिति के चलते कई नेताओं के राजनीतिक भविष्य को लेकर नए समीकरण बनने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। इसी कारण विभिन्न दलों के भीतर अंदरूनी चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एनडीए की नजर लोकसभा में अपने संख्याबल को और मजबूत करने पर है। संसद में दो–तिहाई बहुमत का

दलों के भीतर तेज चर्चाएं

आंकड़ा किसी भी गठबंधन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में यदि कुछ और सांसद समर्थन देते हैं तो सत्ता पक्ष की स्थिति और मजबूत हो सकती है।

इधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर भी विभिन्न तरह की अटकलें सामने आई हैं। कुछ रिपोर्टों में पार्टी के भीतर असंतोष और संभावित गुटबाजी की चर्चा हुई है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को एकजुट बनाए रखने और संभावित असंतोष को संभालने में जुटे हुए हैं। राजनीति के बदलते घटनाक्रमों के बीच आने वाले दिनों में कई नए समीकरण उभरने की संभावना जताई जा रही है।

9वीं में फेल छात्रों के लिए सहारा बनी नई योजना

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 9वीं कक्षा में लगातार बढ़ रही असफलता और ड्रॉपआउट की समस्या से निपटने के लिए शिक्षा निदेशालय ने विशेष 'सपोर्ट प्लान' शुरू किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक बार फेल होने के बाद कोई भी छात्र पढ़ाई से हमेशा के लिए दूर न हो जाए। नई व्यवस्था के तहत स्कूलों को उन विद्यार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जो 9वीं में एक से अधिक बार फेल हुए हैं या कंपार्टमेंट श्रेणी में हैं। ऐसे छात्रों और उनके अभिभावकों को स्कूल बुलाकर व्यक्तिगत काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षकों को बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें दोबारा पढ़ाई से जोड़ने पर जोर देने को कहा गया है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि 8वीं तक लागू 'नो-डिटेंशन नीति' के बाद 9वीं में अचानक कठिन परीक्षा प्रणाली का सामना करना कई छात्रों के लिए चुनौती बन जाता है। कमजोर बुनियादी शिक्षा, पारिवारिक दबाव, आर्थिक कठिनाइयां और असफलता की भावना उन्हें पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर कर देती है।

विदेश मंत्री ने भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका को घेरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान तट के पास एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद भारत ने अमेरिका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत कर इस घटना पर गंभीर चिंता जताई और नागरिक जहाजों को निशाना बनाए जाने को अस्वीकार्य बताया।

विदेश मंत्रालय ने इस मामले में नई दिल्ली स्थित अमेरिकी राजनयिक को भी तलब किया। भारत ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर चलने वाले व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। घटना के समय पलाऊध्वज वाले टैंकर एमटी सेंटेबेलो पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई।

अमेरिका से जवाब मांग रहा भारत

मृतकों की पहचान डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश के रूप में हुई है। इस घटना पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन और संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संस्थानों ने भी चिंता जताई है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने कहा कि समुद्र में काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता और ऐसी घटनाओं की निंदा की जानी चाहिए। भारत ने क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान पर जोर देते हुए कहा है कि व्यापारिक जहाजों पर हमले तत्काल बंद होने चाहिए। वहीं अमेरिका ने दावा किया है कि संबंधित जहाज ने उसके निर्देशों का पालन नहीं किया था, जिसके चलते कार्रवाई की गई।

मोदी सरकार के 12 साल, विकास और जनकल्याण की ऐतिहासिक यात्रा : संदीप

मीडिया संवाद कार्यक्रम में बोलते बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर शनिवार को आयोजित मीडिया संवाद में प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। सरकार की योजनाओं का लाभ अब सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। मंत्री ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 58 करोड़ से अधिक जनधन खाते, 11 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ तथा 60 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी जा चुकी है। वहीं डिजिटल इंडिया, भारतनेट, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने देश के विकास को नई गति दी है।

जिले में 3.10 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि, 50 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि योजना तथा 43,873 शहरी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 9.62 लाख से अधिक गोल्डन कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि 4.64 लाख से अधिक परिवारों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सर्किट हाउस का मंत्री ने किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी मंत्री- बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने शनिवार को निर्माणाधीन सर्किट हाउस का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की गुणवत्ता, लागत और निर्धारित समय–सीमा के बारे में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण का काम उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम मैनपुरी इकाई द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम वित्त- राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र यादव, राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

उठावनी

स्व. राजीव अग्रवाल

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है मेरे प्रिय सुपुत्र श्री राजीव अग्रवाल (पुत्र स्व. श्री नवल किशोर अग्रवाल सर्राफ) का आकस्मिक निधन दिनांक 13.06.26 दिन शनिवार को हो गया है जिनकी उठावनी दिनांक 14.06.26 रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका सरस्वती कुंड मसानी रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

श्रीमती सरिता देवी (माताजी)
श्रीमती सुचि अग्रवाल (धर्मपत्नी)
इशिका, आयशा, आरुष (पुत्र-पुत्री)
श्री बालकिशन सर्राफ-बीना देवी बंसल (चाचा-चाची)
अंजली मित्तल-संदीप मित्तल (बहन-बहनोई)
एवं समस्त बंसल परिवार

प्रतिष्ठानः- प्रहलाद दास श्री भगवान सर्राफ
आर्य समाज रोड, मथुरा मो. 8979212115

ससुराल पक्षः- ऋषि अग्रवाल, आगरा (सालेगण)

स्व. राजीव अग्रवाल

शोक संवेदना

हमारे प्रिय मित्र राजीव अग्रवाल (निवासी राधा आर्किड) के आकस्मिक निधन होने पर हम सभी मित्रगण शोक संवेदना प्रकट करते हैं एवं ठाकुर जी से प्रार्थना करते हैं कि पवित्र आत्मा को अपनी श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करें। ॐ शांति शांति

राजेश बजाज, हरीश अग्रवाल, मनोज कोलापुरी, अनूप अग्रवाल, मनोज बजाज, हनीष अग्रवाल विकास खोआ, कमल अग्रवाल, अक्षय कृष्ण गर्ग

जन्मभूमि से गूंजा गो सम्मान का आह्वान

श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में गो सम्मान–आह्वान अभियान के शुभारंभ के दौरान उपस्थित पदाधिकारी और कार्यकर्ता।

गोवध निषेध अभियान का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को योगीश्वर श्रीकृष्ण की जन्मभूमि से गो सुरक्षा, गो संवर्धन और गो रक्षा के लिए चलाए जा रहे 'गो सम्मान–आह्वान अभियान' का शुभारंभ हुआ। श्रीकृष्ण–जन्मस्थान सेवा–संस्थान ने इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाने और अधिक से अधिक कृष्ण भक्तों को इससे जोड़ने का संकल्प लिया है।

संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि गोपाल की जन्मभूमि से शुरू हुआ यह अभियान करोड़ों कृष्ण भक्तों को गो सेवा और गो रक्षा के लिए प्रेरित करेगा। अभियान के जिला प्रभारी- संस्थान के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने कहा कि गोमाता की महिमा वेदों, पुराणों और शास्त्रों में वर्णित है।

इस अवसर पर अभियान के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश खंडेलवाल, जिला प्रवक्ता विजय बहादुर सिंह, महानगर संयोजक सुभाष सैनी, महानगर मीडिया प्रभारी रामदास चतुर्वेदी, योगेश आवा सहित अनेक कार्यकर्ता हस्ताक्षर अभियान में सक्रिय रूप से जुटे रहे।

रामा अस्पताल ने श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

रामा अस्पताल के बाहर श्रद्धालुओं को भंडारा बांटते अस्पताल के कर्मचारी।

यूनिक समय, फरह। शनिवार को पुरुषोत्तम मास और विश्व रक्तदाता दिवस पर हाइवे स्थित रामा अस्पताल के कर्मचारियों ने भंडारे का आयोजन किया। हाइवे से निकल रहे श्रद्धालुओं को भंडारा बांटा गया। इस अवसर पर अस्पताल प्रमुख के साथ चिकित्सकों-कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की और अमूल्य सहयोग- योगदान से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करते हुए भंडारे में भाग लिया। आयोजन संस्थान की सामूहिक एकता, सहयोग और मानव सेवा के लिए प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

निशुल्क ह्रदय रोग जांच शिविर में 80 मरीजों की जांच

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क कार्डियक निशुल्क शिविर 80 मरीजों ने ह्रदय संबंधी स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। शिविर में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.अभिषेक वर्मा के द्वारा मरीजों की ईसीजी, ब्लड प्रेशर, शुगर सहित ह्रदय से जुड़ी विभिन्न आवश्यक जांचें की गईं। डॉक्टरों ने लोगों को ह्रदय रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी। शिविर में डॉ. वर्मा ने आए मरीजों को जांच कराकर बीमारी के बचाव के बारे में जानकारी दी।

बीएसएसीईटी 15 छात्रों का इंटर्नशिप के लिए चयन

चयनित छात्रों के साथ संस्था के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा के बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के 15 विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनी एक्जीकॉम टेली–सिस्टम्स लिमिटेड, गुरुग्राम में दो माह की स्टाइपेंड आधारित समर इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि को लेकर संस्थान में खुशी जाहिर की। चयनित विद्यार्थियों में ध्रुव कुमार, अभिषेक भारद्वाज, अग्नि कुमार, आर्यन मिलिंद, आशीष गुप्ता, आयुष कश्यप, बॉबी पवार, देवेश कुमार, दुष्यंत शर्मा, हरेंद्र सिंह, हेमंत, निखिल कुमार, गोविंद माधव, राधा कृष्ण तथा प्रेम गुप्ता का हुआ है। एक्जीकॉम भारत की एक प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी है जो मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग सिस्टम और एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस को डिजाइन, मैन्युफैक्चर और डिप्लॉय करती है। यह कंपनी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) के क्षेत्र में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों के लिए उपयागी है। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि बीएसएसीईटी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ–साथ उद्योगों से जोड़ने के लिए निरंतर करती आई है। उन्होंने छात्रों से इंटर्नशिप के दौरान अधिकतम ज्ञान अर्जित कर अपने करियर को नई दिशा देने का आह्वान किया। संस्थान के वाइस चेयरमैन ई. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभागाध्यक्ष रंजीत सिंह और ट्रेनिग एण्ड प्लेसमेन्ट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि बीएसएसीईटी की उद्योग–संस्थान सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में सजी सुर, संगीत और नृत्य की रंगारंग महफिल

ब्रज कला चौपाल के चार वर्ष पूरे होने पर हुआ भव्य आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीमा सुरक्षा बल के उप कमांडेंट चंद्रपाल सिंह, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, चौपाल की संस्थापिका नम्रता सिंह आदि।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली संस्था ब्रज कला चौपाल के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। संगीत, नृत्य, भजन, कविता और नाट्य प्रस्तुतियों से सजे इस कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मा सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और वंदना के साथ हुआ। दीप प्रज्ज्वलन सीमा सुरक्षा बल के उप कमांडेंट चंद्रपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, दीपक शर्मा और राजेश सिंह पिंटू ने किया। सांस्कृतिक संध्या का आगाज बाल कलाकार अर्जुन ने गीत "एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है..." की भावपूर्ण प्रस्तुति से किया। इसके बाद अंशिका शर्मा ने मनमोहक मयूर नृत्य प्रस्तुत किया। राम रतन सिंह ने "दिल का आलम मैं क्या बताऊँतुझे" गीत सुनाकर श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया। व्हीलचेयर पर मंच पर पहुंचे हीरा लाल ने "मुझे इश्क है तुझी से" गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। राजीव और राधिका ने "हे गिरधर गोपाल करुणा सिंधु" भजन से भक्तिमय वातावरण बनाया, जबकि करण कुमार ने कविता पाठ से अपनी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दिया। मीनू और विजय नाथ ने "जानेमन–जानेमन" गीत पर प्रस्तुति दी। दीपाली और दीपक शर्मा की होली आधारित नृत्य–नाटिका और प्रमोद अरोड़ा के भजनों ने भी खूब सराहना प्राप्त की। हिमालय ने राजस्थानी स्वागत गीत "केसरिया बालम पधारो म्हारे देश" प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इसके अलावा मनीष, राजेश, कनक शर्मा, कुलदीप, आलोक, आकाश अग्रवाल, निशा, खुशी, मोहिनी सहित अनेक कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दीं। ब्रज कला चौपाल की संस्थापिका नम्रता सिंह ने बताया कि संस्था की स्थापना का उद्देश्य मथुरा और ब्रज क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि संस्था केवल संगीत तक सीमित नहीं है, बल्कि कवि, कवयित्री, नृत्य कलाकार, गायक, वादक और अन्य कला क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी अवसर प्रदान करती है। संचालन आंशु शर्मा ने किया । कार्यक्रम के दौरान ठाकुर राजेंद्र सिंह, डॉ. अशोक अग्रवाल, गरिमा खरे, ऐश्वर्या कौशिक, गोपाल अग्रवाल, श्याम सिंह, खेम चंद्र, तरुण शर्मा, सीपी सिंह सिकरवार, अनिल चतुर्वेदी, हेमंत अग्रवाल, बसंत लाल, राजीव सिंह, शरण अग्रवाल और प्रतिमा सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

दो तस्कर गिरफ्तार, 20 किलो गांजा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने स्टेट बैंक चौराहे से धौलीप्याऊ जाने वाले रोड रेलवे क्रासिंग के समीप से दो युवकों को 20 किलो 146 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, स्टेट बैंक चौराहे से धौली प्याऊजाने वाले रोड पर गश्त व चेकिंग के लिए पुलिस टीम जा रही थी। सड़क पर रेलवे क्रासिंग के समीप संदिग्ध हालत में जाते हुए दो युवक पुलिस को दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों युवकों को रोक कर बैगों की तलाशी की। पुलिस ने बैग में अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में गुल मौहम्मद और शहारुख निवासी नल्लहार नगर थाना सौरों जिला कासगंज हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।